सोशल मीडिया से जुड़ें

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 01, अंक 293, नई दिल्ली । मंगलवार, 02 जनवरी 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

यदि आप एक सुखी जीवन जीना चाहते हैं, तो इसे एक लक्ष्य से बांधें न कि लोगों या चीजों से !

03 नए साल पर दिल्लीवालों ने खूब गटकी शराब, बिक गईं इतनी लाख बोतलें
06 नूतन वर्ष में बेहतर होगी आर्थिकी
08 घने कोहरे से थमे ट्रेनों के पहिए, दिल्ली से कई घंटों की देरी...

संक्षेप...

परिवहन हड़ताल को लेकर सरकार अलर्ट, सचिव ने बुलाई बैठक, अधिकारियों के साथ की बात

नए मोटर दुर्घटना कानून के विरोध में उत्तराखंड में झ्झी रोडवेज बस सेवा प्रभावित रही। इसके चलते सरकार अलर्ट हो गई है।

देहरादून। देशव्यापी परिवहन कारोबारियों, चालकों की हड़ताल के मद्देनजर सरकार भी अलर्ट हो गई है। सचिव परिवहन ने बैठक बुलाकर एक ओर जहां वैकल्पिक व्यवस्थाएं तैयार रखने को कहा है तो वहीं परिवहन संगठनों के प्रतिनिधियों से भी इस संबंध में बातचीत की।

सोमवार को साल के पहले दिन सचिव परिवहन अरविंद सिंह ह्यांकी ने प्रदेशभर में परिवहन व्यवसायियों से जुड़ी हड़ताल की खबरों के बीच बैठक बुलाई। बैठक में परिवहन मुख्यालय, आरटीओ से लेकर परिवहन निगम के अधिकारी शामिल हुए। उन्होंने मोटर दुर्घटना कानून के विरोध में चल रही हड़ताल पर नजर बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही हड़ताल बढ़ने की सूरत में वैकल्पिक व्यवस्था बनाने को कहा। उन्होंने परिवहन निगम व अन्य से जुड़े संगठनों के प्रतिनिधियों से भी बातचीत करने को कहा। जिस पर आरटीओ के स्तर से बातचीत भी की गई। सचिव ह्यांकी ने सभी परिवहन व्यावसायियों से आह्वान किया है कि वे राज्य में परिवहन व्यवस्था सुचारू रखने में अपना सहयोग दें। ताकि आमजन को परेशानी न हों।

मामूली सुधार के बाद भी हवा बेहद खराब

ग्रैप-तीन को हटाया गया, सड़क पर निकाल सकेंगे ये वाहन

दिल्ली की हवा समग्र रूप से बेहद खराब श्रेणी में बनी रही। कमोबेश गुरुवार तक यही स्थिति बनी रहेगी।

संजय बाटला

सोमवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 346 दर्ज किया गया, जोकि बेहद खराब श्रेणी है। यह रविवार के मुकाबले 36 अंक कम है। हवा में सुधार को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने दिल्ली-एनसीआर से ग्रैप-तीन की पाबंदियों को हटा दिया है।

नई दिल्ली। मौसमी दशाओं में हुए मामूली सुधार के बाद भी दिल्ली की हवा बेहद खराब रही। नए साल के पहले दिन करीब 80 फीसदी इलाकों में प्रदूषण सूचकांक 300 बना रहा। राहत की बात है कि दिल्ली में कहीं भी हवा गंभीर श्रेणी में नहीं रही, जबकि एक दिन पहले दिल्ली के 14 केंद्रों पर स्थिति गंभीर थी। वहीं हवा में सुधार को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने दिल्ली-एनसीआर से ग्रैप-तीन की पाबंदियों को हटा दिया है। हालांकि ग्रैप-1 और ग्रैप-2 के तहत आने वाले प्रतिबंध लागू रहेंगे।

सोमवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 346 दर्ज किया गया, जोकि बेहद खराब श्रेणी है। यह रविवार के मुकाबले 36 अंक कम है। सोमवार सुबह हल्का कोहरा छाने के कारण प्रदूषण कणों को फैलने का मौका नहीं मिला, दिन में काफी हल्की धूप खिलने से थोड़ी राहत मिली। 32 इलाकों में हवा बेहद खराब श्रेणी में रही। इसके अलावा तीन इलाकों में एक्यूआई 200 के पार रहा। दिल्ली की हवा समग्र रूप से बेहद खराब श्रेणी में बनी रही। कमोबेश गुरुवार तक यही स्थिति बनी रहेगी।

मौसमी दशाएं प्रतिकूल

भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के मुताबिक, सोमवार को औसतन चार किलोमीटर प्रतिघंटे की गति से हवा उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर से चली। मंगलवार को हवा उत्तर-पश्चिम से उत्तर-पूर्व से उत्तर दिशा की ओर चलेगी। इस दौरान हवा की गति चार किलोमीटर प्रतिघंटे रहने का अनुमान है। बुधवार को हवा उत्तर-पूर्व दिशा से चल सकती है। गति चार किमी रहने के आसार हैं। बृहस्पतिवार को हवा उत्तर-पूर्व दिशा से चल सकती है। इस दौरान हवा की गति चार किमी प्रतिघंटे रहने की उम्मीद है। आशंका है कि गुरुवार को स्थिति बिगड़ सकती है।

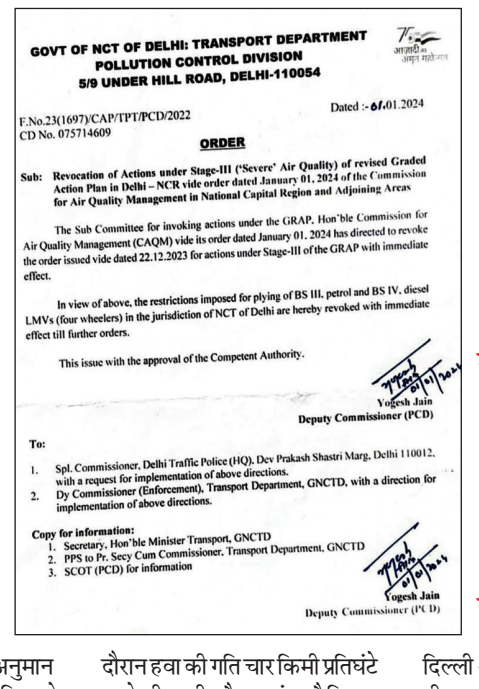

GOVT OF NCT OF DELHI: TRANSPORT DEPARTMENT
POLLUTION CONTROL DIVISION
5/9 UNDER HILL ROAD, DELHI-110054

F.No.23(1697)/CAP/TPT/PCD/2022
CD No. 075714609

Dated :- 01.01.2024

ORDER

Sub: Revocation of Actions under Stage-III ('Severe' Air Quality) of revised Graded Action Plan in Delhi – NCR vide order dated January 01, 2024 of the Commission for Air Quality Management in National Capital Region and Adjoining Areas

The Sub Committee for invoking actions under the GRAP, Hon'ble Commission for Air Quality Management (CAQM) vide its order dated January 01, 2024 has directed to revoke the order issued vide dated 22.12.2023 for actions under Stage-III of the GRAP with immediate effect.

In view of above, the restrictions imposed for plying of BS III, petrol and BS IV, diesel LMVs (four wheelers) in the jurisdiction of NCT of Delhi are hereby revoked with immediate effect till further orders.

This issue with the approval of the Competent Authority.

Yogesh Jain
Deputy Commissioner (PCD)

To:
1. Spl. Commissioner, Delhi Traffic Police (HQ), Dev Prakash Shastri Marg, Delhi 110012, with a request for implementation of above directions.
2. Dy Commissioner (Enforcement), Transport Department, GNCTD, with a direction for implementation of above directions.

Copy for information:
1. Secretary, Hon'ble Minister Transport, GNCTD
2. PPS to Pr. Secy Cum Commissioner, Transport Department, GNCTD
3. SCOT (PCD) for information

Yogesh Jain
Deputy Commissioner (PCD)

सबसे ज्यादा प्रदूषित इलाके और एक्यूआई

दौरान हवा की गति चार किमी प्रतिघंटे रहने की उम्मीद है। आशंका है कि गुरुवार को स्थिति बिगड़ सकती है।

सबसे ज्यादा प्रदूषित इलाके और एक्यूआई

द्वारका सेक्टर- 8 396
पंजाबी बाग 390
श्री अरबिंदो मार्ग 383
नेहरू नगर 377
पूसा 375
वजीरपुर 373
नजफगढ़ 368
डॉ करणी शूटिंग रेंज 366
मंदिर मार्ग 362
जहांगीरपुरी 361

एनसीआर के प्रदूषित शहर और एक्यूआई

दिल्ली 346
नोएडा 307
ग्रेटर नोएडा 304
फरीदाबाद 279
गुरुग्राम 247
गाजियाबाद 236

ग्रैप तीन हटने से होगा ये बड़ा बदलाव

ग्रैप-3 हटने के बाद दिल्ली और आसपास के इलाकों में बीएस-तीन पेट्रोल और बीएस-चार डीजल वाहनों पर प्रतिबंध हटा दिया गया है। इससे ये वाहन बिना रोक-टोक के जा सकेंगे।

दिल्ली में लगा जाम, सड़कों पर रेंगते दिखे वाहन....

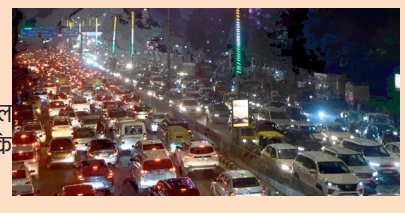

नए साल के पहले दिन राजधानी दिल्ली में खूब चहल-पहल दिखाई दे रही है। इंडिया गेट पर नए साल की पहली शाम को खूब लोग पहुंच गए। इसके साथ ही दिल्ली की सड़कों पर जाम की स्थिति भी देखने को मिल रही है। इंडिया गेट के आसपास इतनी भीड़ हो गई है कि लोगों को वहां पैर रखने को तक जगह नहीं है।

क्या है हिट एंड रन पर नया कानून, आखिर क्यों हो रहा है इसका विरोध, जानिए

संजय बाटला

नई दिल्ली। यदि सड़क पर हिट एंड रन की घटना होती है तो गाड़ी के चालक को 10 साल की सजा मिलेगी। इसके अलावा उसे जुर्माना भी देना होगा। दरअसल वाहन की टक्कर के बाद भाग जाने को हिट एंड रन माना जाता है।

आपराधिक कानूनों को स्वदेशी रंग देने वाले भारतीय न्याय संहिता विधेयक को संसद से मंजूरी शीत सत्र में मिल गई थी। अब कुछ महीनों में आईपीसी के कानूनों की जगह इसके नए प्रावधान ले लेंगे। इस बीच इसके एक कानून को लेकर देश में विरोध शुरू हो गया है। यह है हिट एंड रन पर बना नया प्रावधान। इसके तहत यदि सड़क पर हिट एंड रन की कोई घटना होती है तो गाड़ी के चालक को 10 साल की सजा मिलेगी। इसके अलावा उसे जुर्माना भी देना होगा। दरअसल वाहन की टक्कर के बाद भाग जाने को हिट एंड रन माना जाता है। अब तक ऐसे मामलों में 2 साल की सजा का प्रावधान था और बेल मिल जाती थी।

यह होगा नए नियम में

अब नए नियम के अनुसार यदि गाड़ी से कोई टकराता है और ड्राइवर पुलिस प्रशासन को सूचना दिए बिना मौके से भाग निकलता है तो उसे 10 साल तक की सजा होगी और 7 लाख फाइन भी लगेगा। इसी कानून को गलत बताते हुए देश भर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। हरियाणा, दिल्ली, यूपी, एमपी, बिहार समेत कई राज्यों में ट्रक चालकों ने चक्का जाम किया है। गृह मंत्री अमित शाह से मांग हो रही है कि वे इस कानून के प्रावधानों को नरम करें। ट्रक ड्राइवर ही नहीं बल्कि टैक्सी, ऑटो चालक भी इस नियम से परेशान हैं। बता दें कि यह कानून निजी वाहन वालों पर भी समान रूप से लागू होगा।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक हर साल 50 हजार लोगों की सड़क पर हिट एंड रन के मामलों में मौत हो जाती है। होम मिनिस्टर अमित शाह ने संसद में बताया था कि नए कानून में सरकार हिट एंड रन के मामलों में सख्त प्रावधान ला रही है। इसके तहत यदि किसी की गाड़ी से सड़क पर कोई टकरा जाता है और ड्राइवर पीड़ित की मदद करने की बजाय उसे मरता छोड़ गाड़ी लेकर या खुद भाग निकलता है तो फिर उसे 10 साल की सजा होगी और जुर्माना देना होगा। वहीं पीड़ित को अस्पताल पहुंचाने या पुलिस प्रशासन को सूचना देने वाले को राहत दी जाएगी। अब तक आईपीसी में ऐसा कोई प्रावधान नहीं था।

दरअसल ट्रांसपोर्ट इंडस्ट्री के जानकारों और ड्राइवरों का तर्क है कि यह कानून दोधारी तलवार है। यदि ड्राइवर हादसे के बाद मौके पर मदद के लिए भी रुकता है तो उसके आगे भीड़ के हमले का खतरा होगा। अकसर ऐसे मामलों में भीड़ हिंसक जाती है। यदि वह हमले से बचने के लिए भाग निकलता है। कानून के अनुसार उसे 10 साल की कैद होगी। इससे उसका पूरा जीवन सड़क पर हुई एक दुर्घटना के चलते प्रभावित हो सकता है। इसी के विरोध में बंगाल, बिहार, यूपी, हरियाणा, दिल्ली और एमपी समेत तमाम राज्यों में ट्रक चालक एवं अन्य लोग चक्का जाम कर रहे हैं।

नए कानून के अनुसार यदि गाड़ी से टकराने वाला व्यक्ति गलत तरीके से वाहन के सामने आता है या फिर अवैध रूप से सटक को पार करता है तो फिर ऐसे मामलों में ड्राइवर को राहत मिलेगी। ऐसे केसों में अधिकतम 5 साल की सजा और जुर्माने का ही प्रावधान होगा। वहीं गलत ढंग से ड्राइविंग के चलते यदि दिक्कत होती है तो फिर ड्राइवर को 10 साल तक की कैद होगी। इसी प्रावधान को लेकर चालक चिंता जता रहे हैं। कई ड्राइवरों ने कहा कि कोहरे की वजह से भी हादसे हो जाते हैं। यदि ऐसे मामले में भी 10 साल की सजा हुई तो हमें बिना किसी गलती के ही इतनी बड़ी सजा भुगतनी होगी।

केंद्र सरकार के नए सड़क कानून के खिलाफ बस, ऑटो, ट्रांसपोर्टरों और कैब ड्राइवर्स 3 तक करेंगे हड़ताल

गोरखपुर। केंद्र सरकार के नए सड़क कानून के खिलाफ बस, ऑटो, ट्रांसपोर्टरों और कैब ड्राइवरों ने विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया है। ड्राइवर 1 से 3 जनवरी तक हड़ताल करेंगे। परिवहन निगम से लेकर ट्रांसपोर्टरों के ड्राइवरों द्वारा आंदोलन के चलते यात्रियों को मुश्किल हुई है। कई जरूरी दवाओं की डिलीवरी भी नहीं हो सकी।रेलवे बस स्टेशन पर सोमवार (01 जनवरी) की सुबह सभी बसों का संचालन बंद रहा। जब कुछ ऑटो चालकों ने शहर में ऑटो चलाना शुरू किया, तो हड़ताल पर गए ड्राइवर्स ने उनका विरोध किया। हवा का रुख भांप सभी ऑटो चालक हड़ताल पर चले गए। वहीं, बस अड्डों पर चालक बस खड़ी कर घर चले गए।गोरखपुर में यात्रियों को तमाम दुश्वारियों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ लोग परिवार और समान लेकर अपने गंतव्य के लिए निकले थे। लेकिन अब उन्हें दुगना दाम देकर स्टेशन से घर वापस जाना पड़ रहा है। सुरक्षा को देखते हुए गोरखपुर सिटी ट्रांसपोर्ट की 25 बसें भी खड़ी हुई हैं। 5000 ऑटो, 2000 ई-रिक्शा और 1500 कैब भी ड्राइवरों की हड़ताल से बंद है। इससे रोजना सफर करने वाले लाखों लोगों को बड़ी मुश्किल का सामना करना पड़ा।गोरखपुर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष सिंह ने बताया कि, 'ड्राइवरों के बहिष्कार से करीब दो करोड़ का कारोबार प्रभावित हुआ है। वैसे ही कोई ड्राइवर नहीं बनना चाहता है। कड़े कानून से कोई इस धंधे में नहीं आएगा। केंद्र सरकार ना सिर्फ बस ड्राइवर्स बल्कि दो पहिया से लेकर बड़ी बसें और ट्रक तक चलाने वाले हर चालक के खिलाफ यह कानून लाई है। एक्सीडेंट के बाद चालक घायल व्यक्ति को अस्पताल या पुलिस थाने ले जाएगा। अकसर एक्सीडेंट के बाद भीड़ उग्र हो जाती है और चालक को अपनी जान बचाकर भागना पड़ता है। अगर, वह वहां रुकेगा तो उसकी जान को खतरा है।' वहीं, ड्राइवर महेश मौर्य का कहना है कि '10 लाख का जुर्माना कहां तक उचित है। अगर, हमारे पास 10 लाख होते तो 500 की नौकरी क्यों करते?'आपको बता दें, नए कानून के मुताबिक, हिट एंड रन केस में अब 10 लाख रुपए का जुर्माना और 7 साल सजा तय कर दी गई है। इसे लेकर देश भर में ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने विरोध की अगुवाई की है। सभी शहरों में चक्का जाम कर दिया गया है। सोमवार को गोरखपुर रेलवे बस स्टेशन से विभिन्न रुट पर चलने वाली 1300 से ज्यादा बसें, राप्तीनगर बस स्टैण्ड से 250 बसें और नौसढ़ बस अड्डे से चलने वाली 250 से ज्यादा बसों का संचालन आज ठप्प है।

भोपाल सहित कई शहरों में पेट्रोल डीज़ल की क़िल्लत...

इसे चलाने के लिए पेट्रोल, डीजल या सीएनजी नहीं बल्कि सस्ते में तैयार होने वाले कंप्रेस्ड बायो गैस जैसे ईंझन से चला सकते हैं।

(सीबीजी) देश की पहली 'आत्मनिर्भर कार' जो चलेगी सिर्फ कचरे और गोबर से, पेट्रोल और सीएनजी की नहीं होगी जरूरत

एक तरह से कहें तो यह पूरी तरह से आत्मनिर्भर कार है। इसे चलाने के लिए पेट्रोल, डीजल या सीएनजी नहीं बल्कि सस्ते में तैयार होने वाले कंप्रेस्ड बायो गैस जैसे ईंझन से चला सकते हैं।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। आज के समय पेट्रोल डीजल वाले वाहन चल रहे हैं, जिसकी वजह से उत्सर्जन बढ़ता जा रहा है। हालांकि पूरी दुनिया में उत्सर्जन को कम करने के लिए कई तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं कई देश पेट्रोल-डीजल वाले वाहनों को बंद करने वाले हैं।

कई देश तो वैकल्पिक ईंधन (अल्टरनेट फ्यूल) पर चलाने पर जोर दिया जा रहा है। वहीं जिन देशों में इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध हैं। इनकी जगह सीएनजी और इथेनॉल जैसे कम उत्सर्जन वाले ईंधन पेट्रोल और डीजल की जगह ले रहे हैं।

आपको बता दें कि, कई देश कोशिश में लगे हुए हैं कि वैकल्पिक ईंधन से वाहन चलाए जा सकें। वहीं हाल ही में जापानी कर निर्माता कंपनी ने ऐसी कार पेश की, जिसने ऐसी कार की, इसे चलाने के लिए ट्रोल, डीजल और इथेनॉल की कोई जरूरत नहीं है।

यही नहीं इस कार को चलाने के लिए सीएनजी की भी जरूरत नहीं है। आपको बता दें कि, जापान के टोक्यों ऑटो शो द्वारा पेश की गई वैगनआर कंप्रेस्ड बायो गैस यानी सीबीजी चल सकती है। इसे कचरे और गोबर से बनाया जा सकता है।

एक तरह से कहें तो यह पूरी तरह से आत्मनिर्भर कार है। इसे चलाने के लिए पेट्रोल, डीजल या सीएनजी नहीं बल्कि सस्ते में तैयार होने वाले कंप्रेस्ड बायो गैस जैसे ईंझन से चला सकते हैं। दरअसल ऐसे वाहन को चलाने का मकसद प्रदूषण को कम करना है।

क्या है सीबीजी?

सीएनजी (कंप्रेस्ड नैचुरल गैस) के जैसे सीबीजी (कंप्रेस्ड बायो गैस) का इस्तेमाल इंजन को चलाने के लिए किया जा सकता है। सीएनजी पेट्रोलियम स्रोतों से मिलता है। सीबीजी खेती से निकले कचरे, गाय के गोबर, सीवेज और यहां तक कि नगरपालिका के कचरे जैसे कार्बनिक पदार्थों के डीकंपोज होने से मिलता है।

कचरा और गोबर से चलने वाली कार

डीकंपोजिशन प्रोसेस के बाद, बायोगैस को कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को कम करने के लिए एक शोधन प्रोसेस से गुजरना पड़ता है, जो ईंधन में मीथेन की मात्रा को बढ़ा देता है और इसी से यह गैस गाड़ियों को चलाने लायक बन जाती है। दरअसल सीबीजी जैविक स्रोतों से मिलता है। ऐसे में डीकंपोजिशन के बाद तैयार हुए वेस्ट उत्पाद का इस्तेमाल कृषि उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। 2020 में तत्कालीन तेल मंत्री, धर्मेंद्र प्रधान ने कहा था कि देश में 2023 तक 5,000 डीकंपोजिशन प्लांट्स से 1.5 करोड़ टन बायोगैस का उत्पादन करने के लिए 24 बिलियन डॉलर (लगभग 200 करोड़ रुपये) का निवेश करने का प्लान बनाया गया है।

इस कदम से भारत को धन के आयत में कटौती करने में मदद मिलेगी। मौजूदा समय में भारत अपनी घरेलू मांग को पूरा करने के लिए बड़ी मात्रा में सीएनजी का आयात करता है।

भारत में विकसित हुई है वैगनआर सीबीजी। आपको जानकारी के लिए बता दें कि, मारुति सुजुकी इंडिया ने वैगनआर सीबीजी को भारत में ही विकसित किया है। कंपनी वैगनआर सीबीजी पर 2022 पर काम कर रही है। आपको बता दें कि, मारुति सुजुकी ने दिसंबर 2022 में एक फ्लेक्स-फ्यूल वैगनआर प्रोटोटाइप भी पेश किया था। जिसे ई-20 फ्यूल पर चलाया जा सकता है। कुछ महीने पहले कंपनी के चेयरमैन आरसी भार्गव ने कहा था कि सिर्फ ईवी पर निर्भर रहने के बजाय हाइब्रिड टेक्नोलॉजी, सीबीजी और सीएनजी के इस्तेमाल से देश में कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में मदद मिलेगी।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

सर्दी और सनस्क्रीन : जरा गौर फरमाए

सूरज की किरणें यानी धूप हमारे शरीर के लिए जरूरी है. यह हमें विटामिन डी बनाने के लिए जरूरी तत्व प्रदान करती है. विटामिन डी न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बेहद आवश्यक है. लेकिन इसी सूरज की किरणें जब तीखी हों या सूरज की रोशनी में एक्सपोजर ज्यादा हो तो यह लाभदायक न होकर हानिकारक होने लगती हैं. दरअसल सूरज की किरणों में मौजूद यूवी और यूवीबी किरणें कैंसर तक को दावत दे सकती हैं. ऐसे में इनसे बचाव बेहद जरूरी है. सूर्य की तेज रोशनी से बचने के लिए छाया में अधिक से अधिक रहने (यानी इनडोर रहने) के अलावा, स्कार्फ आदि का इस्तेमाल करना चाहिए. लेकिन जो चीज सबसे जरूरी है वह है सनस्क्रीन का इस्तेमाल. त्वचा रोग विशेषज्ञ यानी डर्मेटॉलजिस्ट धूप में जाने से पहले सनस्क्रीन लगाने की हिदायत देते हैं. इसी के साथ कई सवाल उठ खड़े होते हैं जिनके जवाब हमने ढूंढने के लिए रिसर्च और डॉक्टरी मदद ली. फोर्टिस ला फेम में कंसल्टेंट डर्मेटॉलिस्टिस, डॉक्टर राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल में सीनियर रेजिडेंट रहीं और मैक्स स्मार्ट सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में भी त्वचा रोग विशेषज्ञ के तौर पर सेवाएं दे चुकीं डॉक्टर मनीषा चोपड़ा से बात की और सनस्क्रीन से जुड़े विभिन्न सवालों के जवाब जानने चाहे.

क्या आप भी उन लोगों में से हैं जो मानते हैं कि सर्दियों में सनस्क्रीन नहीं लगानी चाहिए. यदि हां तो जान लीजिए कि सर्दियों में भी सनस्क्रीन का इस्तेमाल उतना ही जरूरी है जितना कि गर्मियों में. सच तो यह है कि सर्दियां हो या गर्मियां या कोई भी अन्य मौसम, सनस्क्रीन का इस्तेमाल शरीर के उघड़े हुए हिस्सों में होना ही चाहिए. यह सोचना कि गर्मियों में ही सनस्क्रीन लगानी चाहिए, एकदम गलत है. सूर्य की हानिकारक यूवीबी और यूवी किरणें सर्दियों में भी हम तक पहुंचती हैं. अच्छा तो यह होता है कि घर के अंदर भी सनस्क्रीन लगाई जाए. यह जानकारी देते हुए डॉक्टर वंदना आगे जवाब देती हैं इस सवाल का कि सनस्क्रीन कैसे और कब लगाई जानी चाहिए. साथ ही वह यह भी जोर देकर कहती हैं कि 30 या 30 से अधिक का एसपीएफ हो, ऐसी ही सनस्क्रीन लगाई जानी चाहिए.

ऐसे कौन 21 रूल है जो हमें पता होना जरूरी है? जानें

कंगारू केयर नवजात बच्चों की देखभाल का एक तरीका है, जो समय से पहले जन्मे नवजात शिशुओं के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है. इसका ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है और डॉक्टर भी इस तरीके को असरदार मानते हैं. आज आपको बताएंगे कि कंगारू केयर क्या है और इसके क्या फायदे होते हैं.

'21 रूल' विभिन्न सामाजिक, व्यावसायिक, और व्यक्तिगत स्तरों पर हो सकते हैं, और इस संदर्भ में विभिन्न व्यक्तियों द्वारा व्यक्त किए गए रूल्स हो सकते हैं। यहां कुछ आम रूल्स हैं जो व्यक्ति के विकास में सहायक हो सकते हैं :

1. ***समय का प्रबंधन करें:*** समय को सही तरीके से प्रबंधित करना महत्वपूर्ण है।

2. ***स्वस्थ जीवनशैली:*** सही आहार, नियमित व्यायाम, और पर्याप्त आराम से स्वस्थ जीवनशैली को बनाए रखना चाहिए।

3. ***सकारात्मक सोच:*** सकारात्मक सोच बनाए रखना और अपनी मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना महत्वपूर्ण है।

4. ***धैर्य रखें:*** धैर्य रखना और कभी-कभी बातचीत करना महत्वपूर्ण है।

5. ***नैतिकता में बरताव:*** सही और नैतिकता से भरा व्यवहार करना चाहिए।

6. ***सीखने की भावना:*** हमेशा सीखने के लिए खुले रहना चाहिए।

7. ***सामाजिक संबंध बनाए रखें:*** सही संबंध बनाए रखना और अपने पासवर्ड को बचाना महत्वपूर्ण है।

8. ***सजग रहें:*** चेतना में रहकर जीवन को सजगता से जीना चाहिए।

9. ***स्वाभाविक हों:*** अपने स्वाभाव को स्वीकार करना और बेहतरीन स्वरूप में सुधार करना चाहिए।

10. ***सच्चाई और ईमानदारी:*** हमेशा सच्चाई बोलना और ईमानदारी से कार्य करना चाहिए।

11. ***कभी हार नहीं मानना:*** अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए हार नहीं मानना चाहिए।

12. ***बचपन में रहकर हंसें:*** बचपन की खुशियों को याद करके हंसना चाहिए।

13. ***सही दोस्त चुनें:*** उच्च-मूल्य दोस्तों को चुनना चाहिए।

14. ***स्वतंत्र महसूस करें:*** स्वतंत्रता महसूस करना और दूसरों को भी उसे महसूस करने का अधिकार देना चाहिए।

15. ***संतुलित जीवनशैली:*** संतुलित जीवनशैली को बनाए रखना चाहिए।

16. ***स्वावलंबी बनें:*** स्वावलंबी बनकर अपने लक्ष्यों की प्राप्ति करना चाहिए।

17. ***विशेषज्ञता विकसित करें:*** अपनी रुचियों और क्षमताओं में माहिर होने के लिए कोशिश करें।

18. ***आत्म-समर्पण:*** अपने कार्यों में पूरा समर्पण और आत्म-निवृत्ति बनाए रखना चाहिए।

19. ***स्वच्छता बनाए रखें:*** व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर स्वच्छता बनाए रखना चाहिए।

20. ***आत्म-प्रबंधन:*** अपने विचारों और भावनाओं का प्रबंधन करना चाहिए।

21. ***सकारात्मक उत्तराधिकारी बनें:*** अपने कार्यों और निर्णयों के लिए सकारात्मक उत्तराधिकारी बनें।

ये सभी रूल विभिन्न स्रोतों से लिए गए हैं और व्यक्ति के विकास और अच्छे जीवन की दिशा में मदद कर सकते हैं।

एंग्जायटी, डिप्रेशन की इन दवाओं से गर्भपात की आशंका, बिना डॉक्टरी सलाह न करें इस्तेमाल

गर्भवती महिला जो भी खाती-पीती, सोचती और करती हैं, उसका असर उनके बच्चे पर पड़ता है. इसलिए इन नौ महीनों में हरेक गर्भवती महिला बेहद संभलकर रहती है. हाल ही में हुए शोध में सामने आया है कि चिंता, अवसाद और अनिद्रा के इलाज में उपयोग होने वाली बेंजोडायजेपाइन (benzodiazepine) दवाओं का इस्तेमाल घातक हो सकता है...

गर्भवती महिलाओं को दवाओं के इस्तेमाल में सावधानी बरतने की जरूरत होती है. क्योंकि, उनके खान -पान, रहन-सहन और रोग-बीमारी का असर उनके पेट में पल रहे बच्चे पर पड़ता है. यही वजह है कि इन नौ महीनों में हरेक गर्भवती महिला बेहद संभलकर रहती है. हाल ही में जामा साइकाइट्री जर्नल में प्रकाशित रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि चिंता, अवसाद और अनिद्रा (Anxiety, Depression and Insomnia) के इलाज में उपयोग होने वाली बेंजोडायजेपाइन (benzodiazepine) दवाएं प्रेग्नेंसी में बेहद घातक हो सकती हैं. शोध के मुताबिक, इन दवाओं को गर्भावस्था के दौरान खाने पर गर्भपात की आशंका अधिक हो सकती है.

बेंजोडायजेपाइन, जिसे आम तौर पर बेंजो के नाम से जाना जाता है, एक प्रकार की सेडेटिव (Sedative) मेडिकेशन है जिससे नींद भी आती है क्योंकि सेडेटिव दवाएं दिमाग की एक्टिविटी को स्लो कर देती हैं. डेली मेल में छपी रिपोर्ट के अनुसार, जैनैक्स, वैलियम, एटिवन और क्लोनोपिन (Xanax, Valium, and Klonopin) कुछ सबसे ज्यादा ली जाने वाली दवाएं हैं. (यह भी पढ़ें- Toxic Masculinity के शिकार मर्द, खुद के लिए भी घातक, समझें साइंस)

जामा साइकिएट्री जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में, ताइवान के शोधकर्ताओं ने गर्भवती होने से पहले, गर्भावस्था के दौरान और दोनों ही टाइम पीरियड के दौरान बेंजो के संपर्क में आने वाली महिलाओं में गर्भपात के केस देखे. उन्होंने तीन मिलियन से अधिक प्रेग्नेंसी के केसेस का अध्ययन किया और पाया कि 4.4 प्रतिशत या 136,130 केसों में गर्भपात हुआ. उन्होंने अध्ययन की गई सभी महिलाओं की मेडिकल हिस्ट्री का एनालिसस किया और पाया कि जिन महिलाओं को बेंजो दवाएं दी गई थीं, उनमें उन महिलाओं की तुलना जिन्होंने ये गोलियां नहीं लीं, गर्भपात की आशंका औसतन 70 प्रतिशत अधिक थी.

शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि यह हाई रिस्क तब भी बना रहा जब महिला की उम्र और स्वास्थ्य जैसे दूसरे कॉम्पलिकेटेड फैक्टर्स को ध्यान में रखा गया गया. वैलियम जैसे लंबे समय तक काम करनी वाली बेंजो के साथ गर्भपात का खतरा 67 प्रतिशत बढ़ गया था, जबकि वर्सेड बेंजो के साथ यह 66 प्रतिशत बढ़ गया था, अध्ययन के अनुसार अल्प्राजोलम नामक दवा, जिसमें जैनैक्स का जेनेरिक वर्जन 39 प्रतिशत पर है, उसमें सबसे कम जोखिम वाला रहा. (यह भी पढ़ें- #Human Story: कैंसर से दोस्ती निभा रहे रवि फैला रहे हैं जिन्दादिली का प्रकाश)

रिपोर्ट कहती है कि जब गर्भावस्था के दौरान बेंजो का उपयोग किया जाता है, तो यह मां और प्लेसेंटा के बीच के कड़ी को पार कर सकता है, जिससे भ्रूण सीधे दवाओं के संपर्क में आ सकता है. बेंजोडायजेपाइन के संपर्क से भ्रूण के विकास में संबंधी दोष हो सकते हैं जिससे गर्भपात हो सकता है.

विविध ज्ञानामृत

जनवरी 1 वाला नया साल मनाने से पहले इस सच को जान लीजिए, नहीं तो कहीं पछतावा न रह जाए...

विदेशी आक्रमणकारियों ने भारत में राज करने के लिए सबसे पहले भारतीय संस्कृति पर कुठाराघात किया जिससे हम अपनी महान दिव्य संस्कृति भूल जाएं और उनकी पाश्चात्य संस्कृति अपना लें जिसके कारण वे भारत में राज कर सकें।

अपनी संस्कृति का ज्ञान न होने के कारण आज हिन्दू भी 31 दिसंबर की रात्रि में एक-दूसरे को हैपी न्यू इयर कहते हुए नववर्ष की शुभकामनाएं देते हैं ।

नववर्ष उत्सव 4000 वर्ष पहले से बेबीलोन में मनाया जाता था। लेकिन उस समय नए वर्ष का ये त्यौहार 21 मार्च को मनाया जाता था, जो कि वसंत के आगमन की तिथि (हिन्दुओं का नववर्ष) भी मानी जाती थी। प्राचीन रोम में भी ये तिथि नव वर्षोत्सव के लिए चुनी गई थी।

लेकिन रोम के तानाशाह जूलियस सीजर को भारतीय नववर्ष मनाना पसन्द नही आ रहा था , इसलिए उसने ईसा पूर्व 45वें वर्ष में जूलियन कैलेंडर की स्थापना की, उस समय विश्व में पहली बार 1 जनवरी को नए वर्ष का उत्सव मनाया गया। ऐसा करने के लिए जूलियस सीजर को पिछला वर्ष, यानि, ईसापूर्व 46 ईस्वी को 445 दिनों का करना पड़ा था । उसके बाद से भारतीय नववर्ष के अनुसार छोड़कर ईसाई समुदाय के लोग उनके देशों में 1 जनवरी से नववर्ष मनाने लगे ।

भारत देश में अंग्रेजों ने 1757 में ईस्ट इंडिया कम्पनी की स्थापना की । उसके बाद भारत को 190 साल तक गुलाम बनाकर रखा गया। इसमें वो लोग लगे हुए थे, जो भारत की ऋषि-मुनियों की प्राचीन सनातन संस्कृति को मिटाने में कार्यरत थे। लॉड मैकाले ने सबसे पहले भारत का इतिहास बदलने का प्रयास किया, जिसके तहत हमारी वैदिक (गुरुकुल) शिक्षण पद्धति को बदला गया ।

भारत का प्राचीन इतिहास बदला गया ,जिसमें भारतीय अपने मूल इतिहास को भूल गये और अंग्रेजों का गुलाम बनाने वाले इतिहास याद रह गया और आज के भोले-भाले भारतवासी चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को नववर्ष नही मनाकर 1 जनवरी को ही नववर्ष मनाने लगे ।

हद तो तब हो जाती है जब एक दूसरे को नववर्ष की बधाई भी देने लग जाते हैं। क्या किसी भी ईसाई देशों में हिन्दुओं को हिन्दू नववर्ष की बधाई दी जाती है..???

किसी भी ईसाई देश में हिन्दू नववर्ष नहीं मनाया जाता है फिर भोले भारतवासी उनका नववर्ष क्यों मनाते हैं !?

इस साल 1जनवरी को आने वाला नया वर्ष 2024 अंग्रेजों अर्थात्ईसाई धर्म का नया साल है।

हिन्दू धर्म का इस समय विक्रम संवत 2080 चल रहा है। इससे सिद्ध हो गया कि हिन्दू धर्म ही सबसे पुराना धर्म है ।

इस विक्रम संवत से 5000 साल पहले इस धरती पर भगवान विष्णु श्रीकृष्ण के रूप में अवतरित हुए । उनसे लाखों वर्ष पहले भगवान राम, और अन्य अवतार हुए यानि जबसे पृथ्वी का प्रारम्भ हुआ तबसे सनातन (हिन्दू) धर्म है।

कहाँ करोड़ों वर्ष पुराना हमारा सनातन धर्म और कहाँ भारतीय अपनी गरिमा से गिर 2000 साल पुराना नववर्ष मना रहे हैं !

जरा सोचिए. !!!

सीधे-सीधे शब्दों में हिन्दू धर्म ही सब धर्मों की जननी है। यहाँ किसी धर्म का विरोध नहीं है ।

सभी भारतवासियों को यह स्मरण रखना चाहिए कि इंग्लिश कैलेंडर के बदलने से हिन्दू वर्ष नहीं बदलता !

जब बच्चा पैदा होता है तो पंडित जी द्वारा उसका नामकरण कैलेंडर से नहीं हिन्दू पंचांग से किया जाता है । ग्रहदोष भी हिन्दू पंचाग से देखे जाते हैं और विवाह,जन्मकुंडली आदि का मिलान भी हिन्दू पंचाग से ही होता है । सभी व्रत, त्यौहार हिन्दू पंचाग से आते हैं। मरने के बाद तेरहवाँ भी हिन्दू पंचाग से ही देखा जाता है। मकान का उद्घाटन, स्वास्थ्य संबंधित और अन्य सभी समस्याओं का निराकरण भी हिन्दू कैलेंडर {पंचाग} से ही होता है।

आप जानते हैं कि रामनवमी, जन्माष्टमी, होली, दीपावली, राखी, भाई दूज, करवा चौथ, एकादशी, शिवरात्री, नवरात्रि, दुर्गापूजा सभी विक्रमी संवत कैलेंडर से ही निर्धारित होते हैं । इंग्लिश कैलेंडर में इनका कोई स्थान नहीं होता।

कुछ तो विचार कीजिए...

आपके इस सनातन धर्म के जीवन में इंग्लिश नववर्ष या कैलेंडर का स्थान है कहाँ... ?

1 जनवरी को क्या नया हो रहा है..!?

न ऋतु बदली न मौसमन कक्षा बदलीन सत्र.न फसल बदलीन खेती..न पेड़ पौधों की रंगतन सूर्य, चाँद, सितारों की दिशा. ना ही नक्षत्र

हाँ, नए साल के नाम पर करोड़ो /अरबों जीवों की हत्या व करोड़ों /अरबों गैलन शराब का पान व रात भर फूहणता अवश्य बढ़ जाती है।

भारतीय संस्कृति का नव संवत्ही नया साल है. जब ब्रह्माण्ड से लेकर सूर्य चाँद की दिशा, मौसम, नक्षत्र, पौधों की नई पत्तियां, किसान की नई फसल, विद्यार्थी की नई कक्षा, मनुष्य में नया रक्त संचरण आदि परिवर्तन होते हैं जो विज्ञान आधारित है और चैत्र नवरात्रि का पहला दिन होने के कारण घर, मन्दिर, गली, दुकान सभी जगह पूजा-पाठ व भक्ति का पवित्र वातावरण भी होता है ।

अतः हिन्दुस्तानी अपनी विदेशी अंधानुकरण और गुलामी की मानसिकता को बदलें, विज्ञान आधारित भारतीय काल गणना को पहचानें और चैत्री शुक्ल पक्ष प्रतिपदा के दिन ही नूतन वर्ष मनायें।

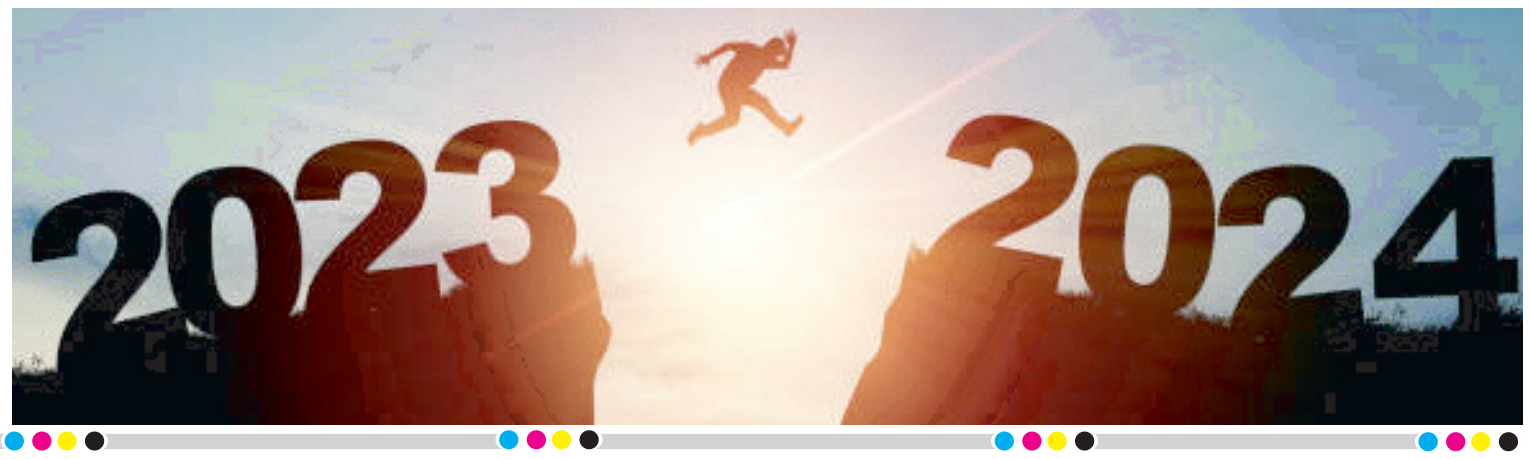

कौन है गोल्डी बराड़, जिसे केंद्र ने किया आतंकी घोषित

सलमान खान को भी दी थी जान से मारने की धमकी

गोल्डी बरार केंद्र सरकार ने कनाडा में छिपे गोल्डी बराड़ को आतंकी घोषित कर दिया है। गृह मंत्रालय ने गैंगस्टर सतविंदर सिंह उर्फ सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम 1967 के तहत आतंकवादी घोषित किया है। गोल्डी बराड़ इसी वर्ष जून महीने में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को भी जान से मारने की धमकी दे चुका है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कनाडा में छिपे गोल्डी बराड़ (Goldy Brar) को आतंकी घोषित कर दिया है। गृह मंत्रालय ने गैंगस्टर सतविंदर सिंह उर्फ सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत आतंकवादी घोषित किया है। गोल्डी बराड़ इसी वर्ष जून महीने में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान (Salman Khan) को भी जान से मारने की धमकी दे चुका है।

गोल्डी पिछले साल हुई पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या (Sidhu Moosewala Murder Case) का मास्टरमाइंड भी है। गोल्डी बराड़ गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का राइट हैंड भी बताया जाता है। उसने रैपर हनी सिंह को भी जान से मारने की धमकी दी थी।

कौन है गोल्डी बराड़?

गैंगस्टर गोल्डी बराड़ का असली नाम सतिंदरजीत सिहं है। गोल्डी बराड़ पंजाब के मुक्तसर के आदेश नगर का रहने वाला है। बाद में गोल्डी बराड़ का परिवार फरीदकोट में शिफ्ट हो गया था। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, गोल्डी ने कई अपराधों को अंजाम दिया है। कॉलेज के दिनों से ही गोल्डी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई (Gangster Lawrence Bishnoi) के संपर्क में आ गया था। धीरे-धीरे गोल्डी ने गैंगसटर लॉरेंस का राइट हैंड बन गया।

पुलिस की नजरों से बचने के लिए 2017 में गोल्डी भारत से कनाडा चला गया। कनाडा पहुंचकर ही गोल्डी लॉरेंस की गैंग चला रहा है। पुलिस का कहना है कि कनाडा में बैठे-बैठे ही गोल्डी ने सिद्धू मूसेवाला का मर्डर कराया है।

भाई की हत्या का प्रतिशोध

गोल्डी से पहले गोल्डी का चचेरा भाई गुरलाल बराड़ लॉरेंस का राइट हैंड था। गुरलाल और लॉरेंस ने साथ मिलकर पंजाब यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट ऑर्गेनाइजेशन आफ पंजाब यूनिवर्सिटी (सोपू) नाम से संगठन खड़ा किया था।

अक्टूबर 2020 में गुरलाल की चंडीगढ़ के इंडसट्रियल एरिया में हत्या कर दी गई थी। इस हत्या के बाद गोल्डी को बड़ा धक्का लगा था। गोल्डी अपने भाई की हत्या का बदला लेना चाहता था। बदला लेने के लिए गोल्डी लॉरेंस बिश्नोई के करीब आया।

गुरलाल बराड़ की हत्या में यूथ कांग्रेस के नेता गुरलाल पहलवान का नाम सामने आया था। गोल्डी ने गुरलाल पहलवान को मौत के घाट उतार दिया। इस हत्या के बाद गोल्डी कनाडा भाग गया था।

गोल्डी बराड़ ने कहा था- सलमान मेरी गैंग के टारगेट पर

गोल्डी बराड़ ने कुछ महीनों ने पहले एक निजी न्यूज चैनल को दिए गए इंटरव्यू में पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के मास्टरमाइंड गोल्डी बराड़ ने कहा कि उसकी गैंग सलमान खान को जरूर मारेगी। इतना ही नहीं वॉन्टेड गैंगस्टर ने कहा, 'जब भी हमें मौका मिलेगा, हम उसे मार देंगे।'

बराड़ ने कहा कि उसे भाई साहब (लॉरेंस बिश्नोई) ने बताया था कि उन्होंने (सलमान) माफी नहीं मांगी है। बाबा दया सिर्फ तब दिखाते हैं, जब कोई उस माफी के काबिल होता है। इससे पहले लॉरेंस बिश्नोई ने भी एक इंटरव्यू में यह बात कही थी कि सलमान खान को मारना उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा गोल है।

दिल्ली में ठंड से राहत के साथ हुई नए साल की शुरुआत, तापमान 10 डिग्री दर्ज; हवा 'बेहद खराब'

तेज हवा के असर से आईजीआई एयरपोर्ट पर सुबह सात बजे दृश्यता का स्तर 1100 मीटर तक दर्ज किया गया। इसके बाद इसमें लगातार सुधार होता गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज दिन में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे बीच बीच में धूप भी खिली रहेगी। लेकिन हवाओं के असर से कोल्ड डे के हालात बने रहेंगे।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। नए साल के पहले दिन सोमवार को दिल्ली में सुबह का तापमान बढ़ा तो दृश्यता के स्तर में भी सुधार देखने को मिला।

दूसरी तरफ मौसम विभाग ने आज के लिए कोल्ड डे रहने की संभावना जताई है। सोमवार सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम 10.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

1100 मीटर दर्ज किया गया विजिबिलिटी का स्तर

वहीं तेज हवा के असर से आईजीआई एयरपोर्ट पर सुबह सात बजे दृश्यता का स्तर 1100 मीटर तक दर्ज किया गया। इसके बाद इसमें लगातार सुधार होता गया।

मौसम विभाग का अनुमान है कि आज दिन में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, बीच बीच में धूप भी खिली रहेगी, लेकिन हवाओं के असर से कोल्ड डे के हालात बने रहेंगे।

हवा की गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में बरकरार

अधिकतम तापमान 16 डिग्री रह सकता है। उधर नए साल के पहले दिन भी दिल्ली वासियों को प्रदूषित हवा से निजात नहीं मिली। सुबह नौ बजे दिल्ली का एक्यूआई 356 दर्ज किया गया जो बहुत खराब श्रेणी में आता है।

सर्द हवाओं ने बढ़ाई ठंड, कोहरे से राहत

दिल्ली से सटे फरीदाबाद में सोमवार सुबह वातावरण में कोहरे से राहत देखने को मिली। वहीं सर्द हवाओं ने ठंड का अहसास कराया। यह ठंड गेहूं की फसल के लिए काफी अच्छी है। फसल में फुटाव देना शुरू कर दिया है। किसान यूरिया खाद डालकर सिंचाई करने में व्यस्त हैं।

अगले 15 दिन यदि ऐसी ही ठंड रही तो रबी की फसल काफी अच्छी हो जाएगी। कोहरा न होने के कारण सरसों पैदा करने वाले किसान भी खासे प्रसन्न हैं। क्योंकि सरसों में फूल और फली चल रही है।

महिला के साथ छेड़खानी पर आरोपितों के खिलाफ नहीं हुई कार्रवाई तो पति ने तेल डालकर लगाई आग

पुलिस ने उनकी शिकायत पर पांच नामजद और अन्य अज्ञात के खिलाफ बलवा मारपीट छेड़छाड़ समेत अन्य कई धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की लेकिन आरोपितों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी संबंध में पीड़ित सोमवार को इस मामले में जांच अधिकारी से मिलने के लिए आए थे। स दौरान थाने में तेल डालकर आग लगा ली। आग लगाने के दौरान पुलिस कर्मियों में हड़कंप मच गया।

नई दिल्ली/लोनी। लोनी बॉर्डर थाने में सोमवार को छेड़छाड़ पीड़िता के पति ने आरोपितों पर कार्रवाई नहीं होने पर तेल छिड़ककर खुदको आग लगा ली। युवक के आग लगाते ही थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया। पानी डालकर आग बुझाई गई। पीड़ित को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया।वहीं, पुलिस आग लगाने का प्रयास करने की बात कह रही है।

गंदे-गंदे इशारे का करता शख्स

लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी की महिला ने 25 दिसंबर को एफआईआर दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया था कि उनकी गली में रहने वाले एक व्यक्ति का भांजा गंदे-गंदे इशारे करता है और अभद्र टिप्पणी करता है। इस संबंध में कई बार व्यक्ति से शिकायत की, लेकिन युवक की हरकत में कोई सुधार नहीं हुआ। 13 दिसंबर को वह दुकान से दूध लेकर आ रही थीं। युवक ने पीछे से आकर हाथ मारा।

शोर मचाने पर मौके से भाग गया। उन्होंने पति को जानकारी दी। पति ने युवक के मामा शिकायत की तो उल्टा उन्हें ही धमका कर भाग जाने को कहा। कुछ लोगों को बुलावाकर पति से मारपीट की। तमंचे की बट मारकर घायल कर दिया। शोर सुनकर वह पति को बचाने पहुंची तो उन्हें भी पीटा। उन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी, जहां उन्हें दिल्ली के जीटीबी भेज दिया गया। उनके हाथ में फैक्चर हो गया।

रिपोर्ट दर्ज करने के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

आरोप था कि गर्भ भी गिर गया। पुलिस ने उनकी शिकायत पर पांच नामजद और अन्य अज्ञात के खिलाफ बलवा, मारपीट, छेड़छाड़ समेत अन्य कई धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की, लेकिन आरोपितों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी संबंध में पीड़ित सोमवार को इस मामले में जांच अधिकारी से मिलने के लिए आए थे। इस दौरान थाने में तेल डालकर आग लगा ली। आग लगाने के दौरान पुलिस कर्मियों में हड़कंप मच गया। पानी डालकर आग बुझाई गई। दिल्ली के जीटीबी अस्पताल ले जाया गया है। सहायक पुलिस आयुक्त अंकुर विहार रवि प्रकाश सिंह का कहना है कि पीड़ित जांच अधिकारी के पास आया था। इस दौरान तेल छिड़कर आग लगाने का प्रयास किया। पहले ही उसे पकड़ लिया गया। प्राथमिक उपचार के लिए जीटीबी ले जाया गया है। वह पूरी तरह से ठीक है आग नहीं लगाई है।

तिहाड ,रोहिणी और मंडोली जेल से सेल फोन, मादक पदार्थ, समेत सिम ,चाकू, पेन ड्राइव की खेप बरामद

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की तिहाड जेल जहां दावा किया जाता है कि, परिंदा भी पर नहीं मार सकता, वहां की हाई सिक्योरिटी और सैंकडों नजर बट्टू (सीसीटीवी) की 24 घंटे घूरती तीसरी आंख के बीच कैदियों तक मोबाइल फोन,नशे के साधन, सिम,चाकू, पैन ड्राइव तक आसानी से मुहैया हो रहे है। इस बावत तिहाड जेल महानिदेशक संजय बेनीवाल ने खुलासा करते हुए बताया कि वैसे तो राजधानी दिल्ली की तमाम जेलों में कडे सुरक्षातंत्र और मुस्तैदी का इस्तेमाल किया जाता है।लेकिन पूरे इंतजामात के बावजूद कैदियों के हाथों तक गैरकानूनी सामान,एवं सामग्री फिर भी पहुंच बना लेती है। शक की शुभह पर कैदियों पर अचानक से छापे की कार्रवाई भी की जाती है। कई दफा खाली भी हाथ ही लौटना पडता है। इस बारे में जेल महाधिकारी

डायरेक्टर जनरल जेल के मुताबिक बीते साल 23 नवंबर,2022 से 29 दिसंबर-2023 यानि 12 महीने के दरमियान तिहाड जेल, रोहिणी जेल और मंडोली जेलों में मारे गए छापे में बडी संख्या में मोबाइल फोन, सिम कार्ड, पेन ड्राइव,चाकू, नशे की सामग्री, ,तंबाकू जैसे गैर कानूनी सामान को रंगे हाथ पकडा था। एक साल की मियाद के बीच क़ैदियों से टोटल-1430 मोबाइल फोन,सिम कार्ड काबू किए गए। जेल एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक ब्योरेवार डिटेल्स इस प्रकार है। जेल नंबर -1 से 82 , जेल नंबर -2 से 33 ,जेल नंबर-3 से 204, जेल नंबर -4 से 262, जेल नंबर-7 से 1 वहीं जेल नंबर 8 और 9 से 269 मोबाइल फोनों का जखीरा बरामद किया था।

इसी कडी में दिल्ली की सेक्टर-18 स्थित रोहिणी जेल नंबर-10 से 247, मंडोली जेल की नंबर-11 से 127 मोबाइल रिकवर किए गए ।इसके अलावा जेल नंबर-12 से 67 जेल-13 से 74 और जेल नंबर-15 से 64 मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किए गए। इनकी कुल गिनती 1430 मोबाइल फोन है ।इसी तरह जेल के सूरमाओं से तिहाड जेल से चाकू हथियार भी बरामद किए गए। इनमें जेल नंबर -1 से 56 चाकू जेल2 से 26 चाकू, जेल-3 से 116 ,जेल -4 से -55 जेल 8 और 9 से 80 चाकू बरामद किए गए। इसी तरह रोहिणी की जेल नंबर -10 से 96 चाकू और मंडोली की जेल नंबर-11 से 64, चाकू जेल-12 से-52 चाकू, जेल नंबर -13 से 45 और जेल नंबर-15 से 26 चाकू बरामद किए गए। तीनों जेलों से बरामद कुल चाकूओ की गिनती 616 है। अब जरा नशे की सामग्री जिनमें तंबाकू का जखीरा करीब 6850 ग्राम कैदियों से दबोचा गया। जेल वाईस डिटेल्स :- तिहाड जेल की 1 नंबर जेल से 950 ग्राम, जेल नंबर -2 से 550 ग्रामीण जेल-3 से 850 ग्राम, जेल-4 से 750 ग्राम, जेल-7से -250 ग्राम,जेल नंबर 8 और 9 से 650 ग्राम, जेल नंबर-10 से 700 ग्राम, बरामद किया गया। वहीं मंडोली जेल नंबर-11 से 550 ग्राम, जेल-12से 500 ग्राम, जेल नंबर-13 से 650 ग्राम और जेल-15 से 450 ग्राम, तंबाकू का जखीरा काबू किया गया। वहीं तीनों जेलों से नवंबर,23 से दिसंबर, 24 की एक साल की मियाद में 181 पेन ड्राइव को कैदियों से दबोचा गया है। अब सवाल उठता है कि तीनों जेलों के कैदियों से मोबाइल फोन,सिम कार्ड, पैन ड्राइव और चाकूओ की बरामदगी से साफ जाहिर है कि ऊंची पहुंच और पैसे के सौदागरो ने जेल के तमाम सुरक्षातंत्र को अपने ठेंगे पर रख दिया है। जो खासा चौकाने वाला संगीन मामला है। इसकी तह तक जा कर जेल प्रशासन और सुरक्षातंत्र में आ घुसे कथित शातिर बहरूपियों की पहचान कर गिरफ्तार करना चाहिए। वरना जेल में बंद कैदियों, , जेल से अपराधियों का मनोबल टूटने की बजाए और सबल होगा। उनमें जेल के खौफ की परिभाषा को दुबारा गणना जरूरी है। जेल के अंदर और बाहर की दुनियां के खौफ का सबक पढाना भी बेहद जरूरी है। ये ही वजह है कि अपराध के शातिरों ने नाबालिग को अपना मोहरा बना लिया है और अपराध की दुनियां में नाबालिगों की फौज को उतार दिया है। जो कानून से बेखौफ आए-दिन-रात मर्डर, स्नैचिंग और चाकू बाजी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

नए साल पर दिल्लीवालों ने खूब गटकी शराब, बिक गईं इतनी लाख बोतलें

नए साल पर अंग्रेजी शराब की 24 लाख बोतलें दिल्ली वाले गटक गए। 31 दिसंबर को 24 लाख 724 बोतलों की बिक्री हुई। वहीं इससे एक दिन पहले 30 दिसंबर को 17 लाख 79 हजार 379 बोतलें बिकीं। 31 दिसंबर को हुई शराब की बिक्री दिसंबर माह में किसी दिन में सबसे अधिक है। यह आंकड़ा पिछले साल यानी 31 दिसंबर 2022 के आंकड़े से करीब चार लाख अधिक है।

नई दिल्ली। नए साल पर अंग्रेजी शराब की 24 लाख बोतलें दिल्ली वाले गटक गए हैं। 31 दिसंबर को 24 लाख 724 बोतलों की बिक्री हुई है। वहीं, इससे एक दिन पहले 30 दिसंबर को 17 लाख 79 हजार 379 बोतलें बिकीं।

31 दिसंबर को हुई शराब की बिक्री दिसंबर माह में किसी दिन में सबसे अधिक है। यह आंकड़ा पिछले साल यानी 31 दिसंबर 2022 के आंकड़े से करीब चार लाख अधिक है। इसी तरह इस दिसंबर महीने में करीब पांच करोड़ शराब की बोतलें दिल्ली वाले गटक गए।

पिछले साल कम बिकी शराब

दिसंबर का यह आंकड़ा पिछले साल के आंकड़ों से 98 लाख 19 हजार 731 अधिक है। 2022 की तुलना में इस साल महीने-दर-महीने बिक्री में 14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

नए साल की पूर्व संध्या पर बिक्री में उछाल

2022 के दिसंबर महीने में जहां शहर भर में फैली 520 दुकानों के नेटवर्क के माध्यम से 3,99,60,509 शराब की बोतलें बेची गईं। वहीं, इस महीने 635 दुकानों से 4,97,80,240 शराब की बोतलें बेची गईं। अधिकारियों ने कहा कि नए साल की पूर्व संध्या पर बिक्री में भारी उछाल देखा गया है। 30 दिसंबर को पिछले वर्ष यानी 2022 की 14 लाख 66 हजार 353 बोतलों की जगह इस साल 2023 में 17 लाख 79 हजार 379 बोतलें बिकीं।

इसी तरह 31 दिसंबर को 2022 की 20 लाख 30 हजार 664 बोतलों की जगह इस साल 24 लाख 726 बोतलों की बिक्री हुई है। आबकारी विभाग के अधिकारियों के अनुसार, शहर के विभिन्न हिस्सों में अधिक दुकानें खुलने, ब्रांडों की उपलब्धता में वृद्धि और ग्राहक अनुभव में सुधार के साथ इस साल राजधानी में शराब की बिक्री लगातार बढ़ रही है।

बिक्री के आंकड़ों के मुताबिक इस साल 24 दिसंबर को 19,42,717 बोतलें बेची गईं, जो इस महीने किसी एक दिन में सबसे ज्यादा थीं। 24 दिसंबर 2022 को 14,69,357 बोतलें बिकीं।

गुरुग्राम में वारदात ' गाजियाबाद में आत्महत्या, मेट्रो स्टेशन पर जान देने वाले युवक की हैरान करने वाली दास्तां

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद के कौशांबी मेट्रो स्टेशन से कूदकर एक युवक ने जान दे दी। इसके पहले आरोपी ने गुरुग्राम में अपनी पत्नी की ब्लेड से ताबड़तोड़ वारकर हत्या कर दी थी। वारदात के बाद आरोपी पति वहां से फरार होकर गाजियाबाद आ गया था। दोनों जिलों की पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

गाजियाबाद। गाजियाबाद के कौशांबी मेट्रो स्टेशन से कूदकर एक युवक ने जान दे दी। इसके पहले आरोपी ने गुरुग्राम में अपनी पत्नी की ब्लेड से ताबड़तोड़ वारकर हत्या कर दी थी। वारदात के बाद आरोपी पति वहां से फरार होकर गाजियाबाद आ गया था। दोनों जिलों की पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

गुरुग्राम पुलिस के अनुसार, जिले के डीएलएफ फेस तीन थाना क्षेत्र में ब्लेड से वारकर महिला की हत्या की गई। आरोपी पति पर हत्या का आरोप लगा है। पुलिस ने बताया कि महिला आगरा की रहने वाली है। वह अपने परिवार के साथ छह महीने पहले ही डीएलएफ फेस तीन के एस ब्लॉक में रहने आई थी।

महिला के शरीर पर ब्लेड के निशान

महिला के शरीर पर ब्लेड से काटने के निशान पाए गए। उसके मोबाइल फोन को टॉयलेट सीट में डाल दिया गया है। महिला की पहचान 23 वर्षीय लक्ष्मी के रूप में हुई है। थाना पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि फरार चल रहे पति ने भी गाजियाबाद के कौशांबी में आत्महत्या कर ली।

पुलिस को आशंका है कि महिला की हत्या किसी धारदार हथियार से की गई है। उसका पति, जिस पर उसकी हत्या करने का संदेह है, वह फरार है। अधिकारी ने बताया कि जब दरवाजा तोड़ा गया तो देखा कि महिला खून से लथपथ थी और उसका बच्चा उसके शव के पास बैठा रो रहा था। हत्या के पीछे का कारण जल्द ही स्पष्ट हो जाएगा।

गाजियाबाद में की आत्महत्या

आरोपी पति गौरव ने गाजियाबाद के कौशांबी थाना क्षेत्र के कौशांबी मेट्रो स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक से सोमवार सुबह करीब 11 बजे नीचे कूदकर आत्महत्या कर ली। आरोपी भी आगरा का रहने वाला था।

सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही हैं। अन्य जानकारी जुटाई जा रही है।

गाजियाबाद में नए साल के जश्न में खूब छलके जाम

एक रात में सात करोड़ की शराब गटक गए लोग

नए साल का जश्न मनाते हुए शहर के लोग सात करोड़ की शराब गटक गए। जिला आबकारी अधिकारी राकेश कुमार के मुताबिक चार करोड़ रुपये की शराब की बिक्री रोज होती है लेकिन 31 दिसंबर को यह बिक्री बढ़कर सात करोड़ तक पहुंच गई। वहींशहर में 32 स्थाई बार और 54 अस्थाई बार में रातभर जाम छलकते रहे।

गाजियाबाद। गाजियाबाद में नए साल के जश्न में शहरवासियों ने खूब जाम छलकाए। 31 दिसंबर की सुबह 10:00 बजे से लेकर रात के 11:00 बजे तक 500 शराब की दुकानों पर भारी भीड़ उमड़ी रही।

ताजा जानकारी के मुताबिक, नए साल का जश्न मनाते हुए शहर के लोग सात करोड़ की शराब गटक गए। जिला आबकारी अधिकारी राकेश कुमार के मुताबिक चार करोड़ रुपये की शराब की बिक्री रोज होती है, लेकिन 31 दिसंबर को यह बिक्री बढ़कर सात करोड़ तक पहुंच गई।

वहीं,शहर में 32 स्थाई बार और 54 अस्थाई बार में रातभर जाम छलकते रहे।

पलकें बिछाकर किया नव वर्ष का स्वागत

ट्रांस हिंडन ने नव वर्ष का पलकें बिछाकर स्वागत किया। 12 बजते ही आकाश में आतिशबाजी का शानदार नजारा देखने को मिला। जैसे की घड़ी में 12 बजे लोग जश्न में डूब गए। होटल, रेस्टोरेंट, माल, सोसायटियों में देर रात तक जमकर जश्न मनाया गया।

सोसायटियों में मनाया जश्न

इंदिरापुरम की शिप्रा सन सिटी में रविवार दोपहर 12 बजे रात 12 बजे के बाद तक व्यंजन, उपहार आदि के स्टाल लगे रहे। बच्चों के लिए झूला, खिलौना आदि दुकान लगाई गई। 12 बजते ही बच्चों से लेकर बड़ो तक तक ने जश्न मनाया। शिप्रा सन सिटी फेज दो सीपी बालियान ने बताया अलग- अलग ग्रुप में लोगों ने पार्टी की।

शिप्रा रिवेरा में भी लोगों ने अपने-अपने स्तर से जश्न मनाया। सनराइज ग्रीन में सोसायटी में भी म्यूजिक पर लोगों ने जमकर डांस किया। वसुंधरा, वैशाली, शालीमार गार्डन राजेंद्र नगर आदि कालोनी में भी लोगों ने समूह में जश्न मनाया।

एटीएस एडवांटेज सोसायटी के लोगों ने लोगों ने बालीवुड के गानों पर जमकर डांस किया। बच्चों एवं महिलाओं ने समूह में केक काटा। वसुंधरा की आलिव काउंटी सोसायटी में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कर जश्न मनाया गया। लोगों ने देर शाम से ही ढोल नंगाड़ों के डांस करना शुरू कर दिया था। रात 12 बजे के बाद यहां लोगों ने केक काटा।

रातभर सजी रहीं दुकानें

इंदिरापुरम में रेस्टोरेंट देर रात तक खुले रहे। खाने-पीने की एक से बढ़कर व्यंजन उपलब्ध रहे। जो दुकानें 10 बजे बंद हो जाती थीं, वह 12 बजे के बाद तक खुली रही। विभिन्न माल में 12 बजते ही तेज आवाज से संगीत बजाया गया। संगीत पर युवाओं ने डांस करना शुरू कर दिया। माल व बाजार को रंग बिरंगी लाइटों सजे रहे। इन सभी स्थानों पर 12 बजे केक काटा गया।

मंदिरों में की पूजा अर्चना की तैयारी

कुछ लोगों ने नव वर्ष पर मंदिर में जाकर पूजा की। हालांकि ज्यादातर लोग सोमवार मंदिर जाएंगे। ऐसे में मोहननगर मंदिर मोहननगर, शीतला माता मंदिर मोहननगर, शिव शक्ति धाम मंदिर साहिबाबाद, गौरी शंकर विहार मंदिर शालीमार गार्डन, सनातन धर्म मंदिर वसुंधरा, रामजानकी मंदिर वैशाली, सांई मंदिर इंदिरापुरम सहित अन्य छोटे-बड़े मंदिरों में पूजा अर्चना की की तैयारी की गई है। सोमवार शाम तक मंदिरों में भीड़ रहने का अनुमान हैं।

चेतक एक्सप्रेस में तोड़फोड़, एक घंटे तक रोकी ट्रेन; कई यात्रियों को आई चोटें

दिल्ली सराय रोहिल्ला से उदयपुर सिटी जाने वाली 20473 चेतक एक्सप्रेस में रविवार रात गुड़गांव रेलवे स्टेशन पर तोड़फोड़ की गई। नए साल पर खाटू श्याम जाने के लिए स्टेशन पर हजारों यात्री पहुंचे थे लेकिन ट्रेन दिल्ली से ही भरकर आई थी। अंदर बैठे यात्रियों के दरवाजा नहीं खोलने पर बाहर खड़े यात्रियों ने हंगामा किया और फिर पथराव किया।

गुरुग्राम। दिल्ली सराय रोहिल्ला से उदयपुर सिटी जाने वाली 20473 चेतक एक्सप्रेस में रविवार रात गुड़गांव रेलवे स्टेशन पर तोड़फोड़ की गई। नए साल पर खाटू श्याम जाने के लिए स्टेशन पर हजारों यात्री पहुंचे थे, लेकिन ट्रेन दिल्ली से ही भरकर आई थी। अंदर बैठे यात्रियों के दरवाजा नहीं खोलने पर बाहर खड़े यात्रियों ने हंगामा किया और फिर पथराव किया।

गुस्साए यात्रियों ने इंजन के आगे ट्रैक पर खड़े होकर ट्रेन को रोक लिया

वहीं गुस्साए यात्रियों ने इंजन के आगे ट्रैक पर खड़े होकर ट्रेन को रोक लिया। करीब एक घंटे बाद जीआरपी के पहुंचने पर यात्रियों को ट्रैक से हटाया गया और रात नौ बजकर 40 मिनट पर ट्रेन को रवाना किया गया। बताया गया है कि चेतक एक्सप्रेस रात साढ़े आठ बजे के बाद प्लेटफार्म नंबर एक पर आई। करीब पांच हजार यात्रियों की भीड़ ट्रेन में चढ़ने के लिए तैयार थी। ट्रेन पर पथराव की घटना से ट्रेन के कई शीशे टूट गए।

कई लोगों को आई चोटें

ट्रेन के अंदर बैठे कई यात्रियों को पथराव के दौरान चोटें आईं। वहां मौजूद यात्रियों के मुताबिक इस दौरान यहां कोई भी पुलिसकर्मी नहीं दिखा। स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी के दो थाने हैं, लेकिन तत्काल हस्तक्षेप नहीं किया गया। बाद में गुस्साए यात्रियों को हटाया जा सका। करीब एक घंटे बाद ट्रेन को रवाना किया गया।

पहले युवक को पीटा, फिर फॉर्च्यूनर कार से रौंदकर मार डाला; परिवार के सामने आई आर्थिक मुसीबत

अनुपम अपने दोस्त अरुण के साथ कार से गोविंदपुरी में चाऊमीन चौक पर चाऊमीन लेने के लिए आए थे। यहां कार से उतरकर चाऊमीन खरीद रहे थे। इस बीच उनकी कार के सामने फार्च्यूनर कार आकर रूकी। दोस्त ने कार हटाने के लिए हार्न दिया तो फॉर्च्यूनर सवार आरोपित राहुल गुस्सा हो गया। उन्होंने उतरकर अनुपम से गाली-गलौज़ शुरू कर दी।

मोदीनगर। कोतवाली क्षेत्र की गोविंदपुरी में चाऊमीन चौक के सामने फॉर्च्यूनर कार की टक्कर से हुई युवक अनुपम श्रीवास्तव की मौत हादसा नहीं हत्या थी। पांच आरोपितों ने वारदात को अंजाम दिया। आरोपित ने पहले अनुपम को पीटा। इसके बाद उन्हें कार से रौंद दिया। जघन्य तरीके से हत्या कर दी गई। पुलिस ने एक आरोपित हिरासत में लिया है।

घर में अकेले ही कमाने वाले थे

अन्य की तलाश में दबिश दी जा रही है। गोविंदपुरी की हरमुखपुरी कालोनी के अनुपम श्रीवास्तव जन सेवा केंद्र चलाते थे। पिता सुरेंद्र, माता, पत्नी व एक वर्षीय बेटे के साथ रहते थे। घर में अकेले ही कमाने वाले थे। रविवार रात करीब दस बजे वे अपने दोस्त अरुण के साथ कार से गोविंदपुरी में चाऊमीन चौक पर चाऊमीन लेने के लिए आए थे। यहां कार से उतरकर चाऊमीन खरीद रहे थे। दोस्त कार में ही था। इस बीच उनकी कार के सामने फार्च्यूनर कार आकर रूकी। दोस्त ने कार हटाने के लिए हार्न दिया तो फॉर्च्यूनर सवार आरोपित राहुल गुस्सा हो गया। उन्होंने उतरकर अनुपम से गाली-गलौज शुरू कर दी। उस समय तो आस पड़ोस के लोगों ने मामला शांत करा दिया, लेकिन आरोपित गुस्से में था। वह अपने साथियों को इकट्ठा कर फार्च्यूनर कार से मौके पर पहुंचा और थोड़ी ही दूरी पर खड़े अनुपम को टक्कर मार दी।

कार से अनुपम को आरोपितों ने रौंदा

उनकी कार में भी जोरदार टक्कर मारी। इतना ही नहीं, आरोपितों ने जमीन पर गिरे अनुपम को फॉर्च्यूनर कार से रौंद दिया। आसपास के लोग जब मौके पर आने लगे तो आरोपित भाग निकले। आनन-फानन में अनुपम को खून से लथपथ हालत में मोदीनगर के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना पर एसएचओ मोदीनगर टीम के साथ मौके पर पहुंचे। आरोपितों की तलाश की। रात में ही एक आरोपित को पकड़ लिया। मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर सोमवार दोपहर मृतक के स्वजन व आसपास के लोग मोदीनगर थाने पहुंचे। एसीपी से गुहार लगाई।

परिवार के सामने खड़ा हुआ आर्थिक संकट

अनुपम की दो साल पहले ही शादी हुई थी। उनका एक साल का बेटा है। बुजुर्ग माता-पिता के साथ रहते थे। पूरे परिवार के पालन की जिम्मेदारी अनुपम पर ही थी, लेकिन अब उनकी मौत के बाद परिवार में कोई कमाने वाला नहीं है। परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। बुजुर्ग पिता रोते हुए थाने पहुंचे तो सभी की आंखे नम हो गई।

मामले में कार चालक राहुल व उसके साथी सम्राट, शिवम व दो अज्ञात के खिलाफ हत्या समेत अन्य धारा में केस दर्ज किया गया है। राहुल को हिरासत में लिया है। हत्या में प्रयुक्त कार पुलिस ने कब्जे में ले ली है। जल्द अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी होगी। - ज्ञान प्रकाश राय, एसीपी मोदीनगर

पहले पिछली गलतियों के लिए माफी मांगे, फिर न्याय यात्रा निकाले कांग्रेस

साल 1984 में दो दिसंबर की रात को भोपाल में यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से जहरीली गैस के रिसाव के असर से सरकारी आंकड़ों के हिसाब से 15 हजार लोग मारे गए और लाखों लोग घायल हुए। मध्य प्रदेश में उस समय कांग्रेस की सरकार थी और अर्जुन सिंह मुख्यमंत्री थे।

डॉ. आशीष वशिष्ठ

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 14 जनवरी को मणिपुर से भारत न्याय यात्रा करने का ऐलान किया है। पार्टी के अनुसार, भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से एकता, प्रेम और सद्भाव का संदेश फैलाने के बाद गांधी देश के लोगों के लिए न्याय मांगेंगे। राहुल गांधी 6200 किलोमीटर की यात्रा के दौरान 14 राज्यों को कवर करेंगे। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जिस कांग्रेस पार्टी ने देश के बंटवारे के फैसले से लेकर लंबे कालखंड तक तमाम अवसरों पर अन्याय किया है, वो आखिरकार किस मुंह से न्याय यात्रा निकालेगी?

1947 में देश के बंटवारे को लेकर कितने किस्से हम और आप ने सुन रखे हैं, लेकिन जिन्होंने बंटवारे में अपना घर-बाहर और अपने को खोया है, वो सिर्फ एक ही बात कहते हैं कि नेहरू की प्रधानमंत्री बनने की जिद ने बंटवारा करवाया। मेरे पूर्वजों ने भी बंटवारे का दंश सहा है। हिन्दुस्तान की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने बंटवारे की पीड़ितों के साथ हर कदम पर अन्याय किया। रिफ्यूजी कैंपों की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं थी। बंटवारे के बाद कई महीनों और वर्षों तक शरणार्थियों के निवास प्रमाण पत्र और अन्य जरूरी दस्तावेज नहीं बने थे। शरणार्थियों को कोई विशेष दर्जा, आरक्षण या छूट सरकार ने नहीं दी। नतीजतन, शरणार्थियों की पूरी एक पीढ़ी शिक्षा, नौकरी और तमाम अन्य क्षेत्रों में पिछड़ गई। शरणार्थियों को बंटवारे से ज्यादा दर्द और तकलीफ नेहरू सरकार की बेरूखी, बेइंसाफी और बदइंतजामी ने दिया।

31 अक्टूबर 1984 को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या उनके दो सिख अंगरक्षकों ने की। इसके अगले दिन से ही दिल्ली और देश के दूसरे कुछ हिस्सों में सिख विरोधी दंगे भड़क उठे थे। इन दंगों में सिखों के घरों, दुकानों को जलाया और लूटा गया और उनको मौत के घाट उतारा गया। दिल्ली और अन्य स्थानों पर हत्यारों और लुटेरों की भीड़ का नेतृत्व ज्यादातर कांग्रेस के नेता कर रहे थे। प्रेस एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार इन दंगों में दिल्ली में ही लगभग 2700 लोग मारे गए थे और देशभर में मरने वालों का संख्या 3,500 के करीब थी। 19 नवंबर, 1984 को तत्कालीन प्रधानमंत्री और इंदिरा गांधी के उत्तराधिकारी व उनके पुत्र राजीव गांधी ने दिल्ली बोट क्लब में इकट्ठा हुए लोगों के हुजूम के सामने कहा कि, 'जब इंदिरा जी की हत्या हुई थी, तो हमारे देश में कुछ दंगे-फ़साद हुए थे। हमें मालूम है कि भारत की जनता को कितना क्रोध आया, कितना ग़ुस्सा आया और कुछ दिन के लिए लोगों को लगा कि भारत हिल रहा है। जब भी कोई बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती थोड़ी हिलती है।'

प्रधानमंत्री राजीव गांधी के शब्दों में कोई ज़क्रि नहीं था उन हज़ारों सिखों का जो अनाथ और बेघर हो गए थे बल्कि ये वक्तव्य उनके जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा था। दंगों के 21 साल बाद प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने संसद में इसके लिए माफ़ी मांगी और कहा कि जो कुछ भी हुआ, उससे उनका सिर शर्म से झुक जाता है। लेकिन क्या इतना कहने भर से ही सरकार का फ़र्ज़ पूरा हो गया? क्या इससे आज़ाद भारत के सबसे सबसे बुरे हत्याकांड की यादें मिट गईं? सिख दंगों के दोषी कांग्रेसी नेता गांधी परिवार के खास हैं। गांधी परिवार के किसी भी सदस्य ने आज तक हजारों निर्दोष सिखों के कत्लेआम के लिए माफी नहीं मांगी है।

साल 1984 में दो दिसंबर की रात को भोपाल में यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से जहरीली गैस के रिसाव के असर से सरकारी आंकड़ों के हिसाब से 15 हजार लोग मारे गए और लाखों लोग घायल हुए। मध्य प्रदेश में उस समय कांग्रेस की सरकार थी और अर्जुन सिंह मुख्यमंत्री थे। केंद्र में भी कांग्रेस की सरकार थी और राजीव गांधी देश के पीएम थे। हादसे के वक्त यूनियन कार्बाइड कंपनी का सीईओ अमेरिकी कारोबारी वारेन एंडरसन था। हादसे के 4-5 दिन बाद यानी सात दिसंबर को एंडरसन भोपाल पहुंचे थे और उन्हें हवाई अड्डे पर ही गिरफ़्तार कर लिया गया था। लेकिन उसी दिन कुछ ही घंटों के बाद उन्हें न केवल ज़मानत मिल गई यहां तक की मध्य प्रदेश राज्य के सरकारी विमान में उन्हें दिल्ली भेजा गया। एंडरसन उसी दिन दिल्ली से अमेरिका चले गए थे। कांग्रेस की सरकार हजारों निर्दोष देशवासियों की हत्या के दोषी को उचित दण्ड और सजा देने की बजाय उसे बचाने और भगाने में मददगार बनी।

देश के संत गोहत्या पर प्रतिबंध लगाने के लिए केंद्र सरकार से कानून बनाने की मांग कर रहे थे। पीएम इंदिरा गांधी से अपनी मांग मनवाने के लिए प्रसिद्ध संत करपात्री जी महाराज के नेतृत्व में सात नवंबर 1966 को देशभर के लाखों साधु-संत अपने साथ गायों-बछड़ों को लेकर संसद के बाहर आ डटे थे। सरकार ने लोकतान्त्रिक तरीके से मांग कर रहे निहत्थे साधु-संतों की भीड़ पर गोली चलवाई, आंसू गैस के गोले छोड़े, लाठियां बरसवाईं। जिसमे सैंकड़ों साधु संतों और गोरक्षकों की जान गई। इसमें मरने वालों की संख्या पर विवाद है। इस घटना के अगले ही दिन टाइम्स ऑफ़ इंडिया में छपी रिपोर्ट में पुलिस की ओर से 209 राउंड फायरिंग की बात कही गयी थी।

1985 में सुप्रीम कोर्ट ने एक तलाकशुदा मुस्लिम महिला शाहबानो के पति मोहम्मद अहमद खान को हर महीने गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया। लेकिन मुस्लिम कट्टरपंथियों के दबाव में आकर राजीव गांधी सरकार ने

> देश के संत गोहत्या पर प्रतिबंध लगाने के लिए केंद्र सरकार से कानून बनाने की मांग कर रहे थे। पीएम इंदिरा गांधी से अपनी मांग मनवाने के लिए प्रसिद्ध संत करपात्री जी महाराज के नेतृत्व में सात नवंबर 1966 को देशभर के लाखों साधु-संत अपने साथ गायों-बछड़ों को लेकर संसद के बाहर आ डटे थे। सरकार ने लोकतान्त्रिक तरीके से मांग कर रहे निहत्थे साधु-संतों की भीड़ पर गोली चलवाई, आंसू गैस के गोले छोड़े, लाठियां बरसवाईं।

1986 में संसद में कानून बनाकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया। इस तरह शाहबानो अदालती लड़ाई जीतने के बाद भी हार गईं। कांग्रेस की मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति ने उन्हें हरा दिया। असल में मुस्लिम बेटी को अदालत से मिला न्याय कांग्रेस की सरकार ने उससे छीन लिया।

प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू द्वारा धारा 370 लगाने के बाद से जो कश्मीरी लोगों के साथ अन्याय हुआ और 90 के दशक में कांग्रेस सरकार की बदनीति के कारण जो कश्मीरी पंडित विस्थापित हुए। वो कहां का न्याय था? सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 1990 में 44167 कश्मीरी पंडित परिवारों ने घाटी छोड़ी थी। असल में कांग्रेस ने अपने राजनीतिक नफे के लिए धारा 370 को जिंदा रखा और अलगाववादी ताकतों को फटकारने की बजाय सहलाने और मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति पर बल दिया।

1971 के भारत पाक युद्ध में 93000 हजार पाकिस्तान सैनिकों ने भारतीय सेना के सामने सरेंडर किया था। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 93000 पाकिस्तानी सैनिकों को तो समझौते के मुताबिक उनके देश वापस भेज दिया। लेकिन आयरन लेडी अपनी सेना के 54 सैनिकों, अधिकारियों और लड़ाकू पायलटों को पाकिस्तान से वापस नहीं ला सकीं। सैनिक परिवार सरकार से न्याय की मांग करते रहे, लेकिन उन्हें न्याय नहीं मिला।

साल 1975 को इंदिरा गांधी ने अपने राजनीतिक हित के लिए इमरजेंसी लगाकर संविधान, कानून, राजनीतिक विरोधियों, पत्रकारों, कलाकारों, समाजसेवियों और देश की जनता के साथ जो अन्याय और अत्याचार किये उसके जख्म आज भी हरे हैं। इमरजेंसी में इंदिरा गांधी के पुत्र संजय गांधी और उनके गैंग के अत्याचार के किस्से आज भी सिहरन पैदा करते हैं।

आजादी के इन 76 सालों में लगभग 60 साल तक केंद्र और राज्यों में कांग्रेस ने शासन किया। इस कालावधि में सत्ता में बने रहने के लिए उसने एक वर्ग विशेष के तुष्टिकरण के लिए सारी सीमाएं लांघ दीं। नतीजतन दूसरे वर्गों को कदम-कदम पर अपेक्षा और अन्याय का शिकार होना पड़ा। इसलिए जब कांग्रेस न्याय यात्रा की बात करती है, तो हंसी आती है। राहुल गांधी को न्याय यात्रा शुरू करने से पहले 1947 के बंटवारे के पीड़ितों, 1984 सिख कत्लेआम के भुगतभोगियों, 1971 के युद्ध में लापता 54 सैनिकों, गोरक्षक संत करपात्री जी महाराज, इमरजेंसी के पीड़ितों, कश्मीरी पंडितों, मुस्लिम बेटी शाहबानो और भोपाल गैस हादसे के पीड़ितों से इस बात की माफी मांगनी चाहिए कि कांग्रेस उन्हें न्याय नहीं दे सकी। शायद तभी सच्चे अर्थों में न्याय यात्रा के साथ न्याय हो पाएगा।

एमजी मोटर्स इंडिया ने साल 2023 में 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ बेचे 56902 वाहन, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स ने बढ़ाई बिक्री

MG Motor India ने 2023 में 56902 यूनिट की बिक्री के साथ रिटेल सेल में 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। एमजी मोटर इंडिया ने कहा है कि 2023 में 18 प्रतिशत की इस वृद्धि के साथ ऑटो निर्माता ने लगातार चौथे वर्ष रिटेल सेल में बढ़ोतरी दर्ज की है। आइए कंपनी द्वारा पेश किए गए आंकड़े के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। MG Motor India ने 2023 में 56,902 यूनिट की बिक्री के साथ रिटेल सेल में 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है। कार निर्माता ने आज यानी सोमवार को कहा है कि 2022 की तुलना में 2023 में उसकी रिटेल सेल में उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई है।

SAIC के स्वामित्व वाली ब्रिटिश कार निर्माता ने यह भी कहा है कि उसने दिसंबर 2023 में 4,400 यूनिट बेची हैं, जो कि पिछली बार के मुकाबले 13 प्रतिशत अधिक है। आइए, कंपनी द्वारा पेश किए गए पूरे आंकड़ों के बारे में जान लेते हैं।

MG Motor India का बेहतरीन परफॉरमेंस

एमजी मोटर इंडिया ने कहा है कि 2023 में 18 प्रतिशत की इस वृद्धि के साथ, ऑटो निर्माता ने लगातार चौथे वर्ष रिटेल सेल में बढ़ोतरी दर्ज की है। कार निर्माता ने यह भी कहा कि उसके आईसीई वाहनों के साथ-साथ इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री में भी वृद्धि देखी गई है। ऑटोमेकर ने खुलासा किया है कि 2023 में भारत में ब्रांड की कुल पैसेंजर वाहन बिक्री में इलेक्ट्रिक कारों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

Electric Vehicles ने बढ़ाई बिक्री

एमजी मोटर इंडिया ने दावा किया है कि उसकी कुल पैसेंजर व्हीकल्स की बिक्री का एक-चौथाई हिस्सा इलेक्ट्रिक वाहनों से आया। एमजी मोटर इंडिया वर्तमान में ZS EV और Comet जैसी इलेक्ट्रिक कारें बेचती है। ऑटोमेकर ने दावा किया है कि उसकी ZS EV और Comet ने मिलकर अब तक लगभग 20,000 यूनिट्स बेची हैं। यह पूरे भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता पर जोर देता है।

कंपनी के प्रोडक्ट्स

एमजी वर्तमान में भारतीय बाजार के अंदर Hector, Hector Plus, Astor, Gloster और ZS EV व Comet EV को सेल करती है। आपको बती दें कि एमजी कॉमेट को 2023 में देश की सबसे किफायती इलेक्ट्रिक कार के तौर पर लॉन्च किया गया था। ऑटोमेकर इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट पर जोर देने की योजना बना रहा है और कंपनी का लक्ष्य 2028 तक भारत में पांच नई कारें लॉन्च करने का है और उनमें से अधिकांश इलेक्ट्रिक वाहन होंगे।

साल 2024 में लॉन्च होंगी ये 3 प्रीमियम सेडान, नई डिजायर से लेकर कैमरे लिस्ट में शामिल

अपने इस लेख में हम आपके लिए साल 2023 में आने वाली 3 नई सेडान कारों के बारे में बताने जा रहे हैं।उम्मीद है कि ऑल न्यू डिजायर को 2024 की दूसरी छमाही में लॉन्च किया जाएगा। वहीं Toyota Camry Facelift को भारत में 2024 के अंत या 2025 की शुरुआत में उसी पेट्रोल/हाइब्रिड संयोजन के साथ लॉन्च किया जाएगा।

नई दिल्ली। लगातार बढ़ रही SUVs की मांग के बीच देश की पॉपुलर कार निर्माता कंपनियां नई Sedan Cars को भी पेश करने की योजना बना रही हैं। अपने इस लेख में हम आपके लिए साल 2023 में आने वाली 3 नई सेडान कारों के बारे में बताने जा रहे हैं। हमारी इस लिस्ट में New-Gen Maruti Suzuki Dzire, Toyota Camry Facelift और Citroen C3X शामिल है।

New-Gen Maruti Suzuki Dzire

2024 की शुरुआत में अपेक्षित नई पीढ़ी की स्विफ्ट से महत्वपूर्ण डिजाइन संकेत लेते हुए, आगामी डिजायर में एक नया पावरट्रेन और अपडेटेड इंटीरियर भी दिया जाएगा। ये नए 1.2L Z-सीरीज माइल्ड-हाइब्रिड पेट्रोल इंजन से लैस होगी, जो मैनुअल या ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन से जुड़ा होगा। उम्मीद है कि ऑल न्यू डिजायर को 2024 की दूसरी छमाही में लॉन्च किया जाएगा।

Toyota Camry Facelift

Toyota Camry प्रीमियम सेडान को अपडेटेड एक्सटीरियर के साथ एक नया फ्रंट एंड दिया जाएगा। इसके इंटीरियर को खास अपडेट मिले की संभावना नहीं है। उम्मीद है कि ये भारत में 2024 के अंत में या 2025 की शुरुआत में उसी पेट्रोल/हाइब्रिड संयोजन के साथ लॉन्च होगी।

Citroen C3X

Citroen C3X क्रॉसओवर सेडान का पावरट्रेन और फीचर लिस्ट C3 एयरक्रॉस से लिया जाएगा। इसमें फास्टबैक रूफलाइन होगी और इसके मिडसाइज एसयूवी सिबलिंग की तुलना में पीछे का डिजाइन नया होगा। इसका मुकाबला होंडा सिटी, हुंडई वर्ना, फॉक्सवैगन वर्टस, स्कोडा स्लाविया और मारुति सुजुकी सियाज से होगा। 1.2L टर्बो 3-सिलेंडर पेट्रोल इंजन को 6-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा जाएगा और एक AT बाद में लाइनअप में शामिल हो सकता है।

Maruti Suzuki ने साल 2023 में की 20 लाख से अधिक यूनिट की बिक्री, जमकर हुआ एक्सपोर्ट

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी Maruti Suzuki ने दिसंबर महीने में 1.06 लाख यूनिट्स की बिक्री की और उसी महीने में 26884 यूनिट्स का निर्यात किया जो कि दिसंबर 2022 के आंकड़ों की तुलना में 1.28 प्रतिशत कम है। ऑल्टो के-10 और एस-प्रेसा दो एंट्री-लेवल मिनी कारों को संयुक्त रूप से 2022 के दिसंबर में 9765 यूनिट की तुलना में केवल 2557 खरीदार मिले।

नई दिल्ली। Maruti Suzuki ने सोमवार को घोषणा की कि उसने कैलेंडर वर्ष 2023 में 20 लाख से अधिक यूनिट सेल की हैं और यह 12 महीने की अवधि में अब तक की सबसे अधिक बिक्री है। इस आंकड़े में घरेलू भारतीय बाजार में बिक्री और 2.69 लाख यूनिट का निर्यात भी शामिल है। आइए, कंपनी द्वारा पेश किए गए आंकड़ो के बारे में जान लेते हैं।

Maruti Suzuki की बिक्री में मामूली गिरावट

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी Maruti Suzuki ने दिसंबर महीने में 1.06 लाख यूनिट्स की बिक्री की और उसी महीने में 26,884 यूनिट्स का निर्यात किया, जो कि दिसंबर 2022 के आंकड़ों की तुलना में 1.28 प्रतिशत कम है। 2023 की शुरुआत में लॉन्च की गई फ्रोंक्स क्रॉसओवर एसयूवी की लोकप्रियता में भी बड़ा इजाफा हुआ है, भले ही कंपनी की ऑल्टो और एस-प्रेसो जैसी छोटी पेशकशें उतनी मजबूती से आगे नहीं बढ़ रही हैं जितनी पहले हुआ करती थीं।

एंट्री-लेवल मिनी कारों न किया निराश

ऑल्टो के-10 और एस-प्रेसा, दो एंट्री-लेवल मिनी कारों को संयुक्त रूप से 2022 के दिसंबर में 9,765 यूनिट की तुलना में केवल 2,557 खरीदार मिले। बलेनो, सेलेरियो, इग्निस वैगनआर और स्विफ्ट जैसी कॉम्पैक्ट कारों का संयुक्त प्रदर्शन भी 2022 के दिसंबर में 57,502 यूनिट से घटकर पिछले महीने केवल 45,741 रह गया है। वहीं, यूटिलिटी व्हीकल्स की भी मांग बढ़ी है। इसमें अर्टिगा, एक्सएल6 और इनविक्टो जैसे मॉडल शामिल हैं।

नूतन वर्ष में बेहतर होगी आर्थिकी

डा. जयंती लाल भंडारी

वर्ष 2023 में केंद्र सरकार राजकोषीय घाटे के निर्धारित लक्ष्य सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 5.9 फीसदी तक सीमित रखने में सफल रही है। वर्ष 2023 में लगभग प्रतिमाह बाजारों में उपभोक्ता मांग में तेजी और उद्योग-कारोबार में बेहतरी से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कलेक्शन में वृद्धि हुई। वर्षभर में यह 12 प्रतिशत बढ़ा'

इन दिनों वैश्विक आर्थिक और वित्तीय संगठनों के द्वारा बीते वर्ष 2023 की आर्थिक चुनौतियों और नए वर्ष 2024 की आर्थिक संभावनाओं पर प्रकाशित की जा रही विभिन्न रिपोर्टों में नए वर्ष में भारत के आर्थिक विकास की ऊंची संभावनाएं प्रस्तुत की जा रही हैं। यदि हम नए वर्ष 2024 की डगर पर आगे बढ़ते भारत की आर्थिक तस्वीर को देखें तो पाते हैं कि भारत को 2023 से प्रमुखतया महंगाई, रोजगार, रुपए की कीमत, विदेशी मुद्रा भंडार, देश पर विदेशी कर्ज, व्यापार घाटा, चिंताजनक मानव विकास सूचकांक जैसी आर्थिक चुनौतियां विरासत में मिली हैं। बीते वर्ष 2023 में भारत मानव विकास सूचकांक में पीछे दिखाई दिया है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के द्वारा प्रकाशित मानव विकास सूचकांक में 189 देशों की सूची में भारत 132वें पायदान पर पाया गया। रिपोर्ट के मुताबिक जीवन प्रत्याशा, स्वास्थ्य व शिक्षा की बड़ी चुनौतियां भारत के समक्ष बनी हुई हैं। दुनिया में प्रति व्यक्ति आय के मामले में भी भारत की स्थिति 129वें क्रम पर परिलक्षित हुई है। बीते वर्ष में महंगाई के मोर्चे पर मुश्किलें लगभग वर्ष भर बनी रहीं। इजराइल-हमास युद्ध, रूस-यूक्रेन युद्ध, तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक के द्वारा तेल उत्पादन में कटौती, वैश्विक खाद्यान्न उत्पादन में कमी ने भी महंगाई बढ़ाई और महंगाई ने आम आदमी से लेकर सरकार के लिए भी चिंताएं निर्मित की।

खास तौर से नवंबर 2023 के बाद एक बार फिर थोक एवं खुदरा महंगाई बढने लगी। खाद्य महंगाई की दर बढक़र 8.7 फीसदी से अधिक पहुंच गई। यदि हम देश में 2023 के रोजगार परिदृश्य को देखें तो पाते हैं कि रोजगार की स्थिति संसद की बहस से लेकर युवाओं की चिंता का कारण बनी रही। वर्ष 2023 में वैश्विक सुस्ती के कारण जो उद्योग-कारोबार प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुए, वहां रोजगार के कम मौके निर्मित हुए। लेकिन गिग अर्थव्यवस्था और असंगठित सेक्टर में मौके बढने से बेरोजगारी दर जो 2017-18 में छह फीसदी थी, वह 2022-23 में घटकर 3.2 फीसदी रही। जहां वर्ष 2023 में आईटी बाजार की रोजगार तस्वीर बदल गई और बड़ी संख्या में कर्मचारियों को नौकरी छोडऩी पड़ी तथा नई नियुक्ति का अनुपात भी घट गया, वहीं विमानन और फार्मा जैसे सेक्टरों में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ी। यद्यपि भारत ने वर्ष 2023 में वैश्विक मंदी की चुनौतियों के बीच निर्यात बढ़ाने व आयात घटाने के अधिकतम प्रयास किए, लेकिन फिर भी बीते वर्ष में निर्यात तेजी से नहीं बढ़ पाए तथा विदेशी मुद्रा की अन्य साधनों से कमाई भी कम रही, इससे व्यापार घाटा बढ़ा। बीते वर्ष में रुपया वर्षभर लुढक़ता रहा, वर्ष 2023 में अमरीका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा मौद्रिक नीति को सख्त बनाए जाने से डॉलर के मुकाबले रुपया निचले स्तर पर लुढक़कर 84 के स्तर पर पहुंच गया। वर्ष 2023 के शुरुआती महीनों में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार गिरावट आई। इस गिरावट का कारण निर्यात में कमी, आयात में वृद्धि व डॉलर की तुलना में रुपए को थामने के लिए रिजर्व बैंक के द्वारा आवश्यकता के अनुरूप विदेशी मुद्रा कोष में संचित डॉलर की बिक्री किया जाना भी रहा। निश्चित रूप से इन विभिन्न आर्थिक चुनौतियों के बीच भी वर्ष 2023 में भारतीय अर्थव्यवस्था ने कई मोर्चों पर बेहतर प्रस्तुतिकरण दिखाया है और भारत की कई आर्थिक उपलब्धियां दुनियाभर में रेखांकित हुई। कारोबारी और वित्तीय परिदृश्य व्यापक तौर पर विस्तार को लेकर आशावादी रहा और विकासमूलक संकेत देते हुए मजबूत बैलेंस शीट प्रस्तुत करता रहा।

विनिर्माण, खनन, निर्माण तथा औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि हुई है। खास तौर से मैन्युफैक्चरिंग, कृषि, कंस्ट्रक्शन, सीमेंट, इलेक्ट्रिसिटी, होटल, ट्रांसपोर्ट, ऑटोमोबाइल, फार्मा, केमिकल, फूड प्रोसेसिंग और टेक्सटाइल, ई-कॉमर्स, बैंकिंग, मार्केटिंग, डेटा एनालिसिस, सायबर सिक्योरिटी, आईटी, टूरिज्म, रिटेल ट्रेड आदि क्षेत्रों में रोजगार और स्वरोजगार के मौके बढ़ते हुए दिखाई दिए। मुद्रास्फीति मौद्रिक प्रयासों से नियंत्रण में रही। कर राजस्व में सुधार हुआ। सेंसेक्स और निफ्टी नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए। बीते वर्ष में भारत दुनिया में सर्वाधिक डिजिटल पेमेंट ट्रांजेक्शन वाले देश के रूप में रेखांकित हुआ है। यह भी महत्वपूर्ण है कि वर्ष 2023 में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा 2000 रुपए के नोट को चलन से बाहर करने के बाद बैंक जमा में भारी वृद्धि हुई। रिजर्व बैंक ने इन्हें बदलने के लिए 7 अक्टूबर का समय दिया था। दिसंबर 2023 तक 97 फीसदी से अधिक नोट बैंकों में वापस आ गए। 8 साल पहले भी हुई 500-1000 रुपए की नोटबंदी से 99 फीसदी नोट वापस आ गए थे। 2000 रुपए के नोटों की वापसी के बीच बैंक जमा छह साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचते हुए 191 लाख करोड़ रुपए से अधिक पर पहुंच गया। यह बात भी भारत के आर्थिक घटनाक्रम पर रेखांकित हो रही है कि वर्ष 2023 में भारत राजकोषीय घाटा नियंत्रण में सफल रहा है। वर्ष 2023 में केंद्र सरकार राजकोषीय घाटे के निर्धारित लक्ष्य सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 5.9 फीसदी तक सीमित रखने में सफल रही है। वर्ष 2023 में लगभग प्रतिमाह बाजारों में उपभोक्ता मांग में तेजी और उद्योग-कारोबार में बेहतरी से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कलेक्शन में वृद्धि हुई। वर्षभर में यह 12 प्रतिशत बढ़ा। अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष कर संग्रह बजट अनुमान से अधिक 10.45 फीसदी बढक़र 33.61 लाख करोड़ रुपए पहुंच जाएगा। कारपोरेट एवं व्यक्तिगत आयकर 10.5 फीसदी बढक़र करीब 18.23 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच जाएगा। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के मद्देनजर वर्ष 2023 में एक नई योजना भी लॉन्च की है, जिसका नाम हर पेमेंट डिजिटल रखा गया है।

साथ ही बैंक और एनबीएफसी डिजिटल पेमेंट को प्रोत्साहित करने की डगर पर आगे बढ़े हैं। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि नए वर्ष 2024 को भारत के द्वारा की गई जी-20 की सफल अध्यक्षता से नए आर्थिक लाभों की ऐसी अभूतपूर्व संभावनाएं मिली हैं, जिससे भारत से निर्यात, भारत में विदेशी निवेश, भारत में विदेशी पर्यटन और भारत के डिजिटल विकास का नया क्षितिज सामने आते हुए दिखाई देगा। जी-20 से दुनिया में ग्लोबल सप्लाई चेन में सुदृढ़ता और विश्वसनीयता के मद्देनजर भारत की अहमियत बढ़ेगी। जहां प्राकृतिक संपदा संपन्न अफ्रीकी संघ को जी-20 में शामिल कराकर भारत ने इन देशों से नए आर्थिक लाभों की उम्मीदों को बढ़ाया है, वहीं जी-20 में घोषित हुआ भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक कारिडोर (आईएमईसी) चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) की काट है तथा इसके माध्यम से दुनिया में रेल एवं जल मार्ग से भारतीय कंपनियों के लिए नए अवसरों की भारी संभावनाओं को आगे बढ़ाया जा सकेगा। दिसंबर 2023 में सेंसेक्स 72000 अंकों से अधिक के सर्वकालिक उच्च स्तर को छूते हुए दिखाई दिया है। हम उम्मीद करें कि वर्ष 2024 की आर्थिकी को 2023 से बेहतर बनाने और देश की विकास दर के लक्ष्य को 6.5 फीसदी से आगे पहुंचाने के साथ-साथ 2047 में विकसित देश बनाने के लक्ष्य को पाने के लिए देश में नए वर्ष 2024 में महंगाई नियंत्रित रखने, सरकारी कर्ज को बढने से रोकने, निर्यात बढ़ाने, व्यापार घाटा कम करने, उत्पादन व उत्पादकता बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास के साथ-साथ राष्ट्रीय चरित्र के नवनिर्माण के लिए नई पहल की जाएगी।

संपादक की कलम से

राममय होती अयोध्या

प्रभु राम के बिना भारत और लोकतंत्र की कल्पना ही नहीं की जा सकती। नया साल शुरू हुआ है, तो उससे पहले ही भारत और अयोध्या 'राममय' होने लगे हैं। दरअसल यह हिंदुओं का ही नहीं, राष्ट्र के उत्सव का दौर है। देश के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गौरव का दौर है। ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद के मंत्रोच्चार को सुनें और यज्ञों को देखें, तो वैदिक काल लौटता लगता है। यही हमारी सनातन परंपरा है। अयोध्या में उन कारसेवकों की आत्मा की शांति के लिए भी पूजन किए गए हैं, जिन्हें 'राममय' मान कर गोलियों से भून दिया गया था। बहरहाल उस अध्याय को हम विस्मृत करने के पक्ष में हैं, क्योंकि यह प्रभु राम की वापसी का सकारात्मक काल है। नववर्ष पर अयोध्या का नया, सजा-संवरा और समर्पित रूप देखकर मन गदगद होता है। अयोध्या देवनगरी थी, प्रभु राम की जन्मस्थली थी और आज भी उसका स्थान बैकुंठ से कम नहीं है। प्रभु राम के जयघोष हैं, मंत्रोच्चार, शंखनाद और फूलों की बरसात भी है, क्योंकि राम अयोध्या में अपने महलनुमा मंदिर में प्रतिष्ठित होने जा रहे हैं। अयोध्या को कभी 'अभिशप्त नगरी' भी मान लिया गया था। वह राजनेताओं की दुर्बुद्धि और आसुरी कर्म था। वे अयोध्या में प्रवेश करने से हिचकते थे, क्योंकि एक निश्चित वोट बैंक के खोने की आशंका थी। अदालत ने भी कुछ पाबंदियां थोप दी थीं। मीडिया के कैमरे भी बंद करा दिए गए थे। अयोध्या में एक जमात 'बाबरी-बाबरी' के राग अलापती थी। आज उसके लिए भी प्रभु राम कण-कण में व्याप्त हैं। आज बाबरी मस्जिद के पक्षकार इकबाल अंसारी सरीखे भी अयोध्या में पुष्प-वर्षा कर रहे हैं। अब अयोध्या का परिसंस्कार किया जा रहा है।

अयोध्या को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा मिला है। रेलवे का जंक्शन स्टेशन भी लोकार्पित किया गया है, जहां रेलगाडियां अयोध्या को देश के दूसरे महत्त्वपूर्ण हिस्सों से जोड़ेंगी। विमान और ट्रेन में 'जय श्रीराम' के उद्घोष गूंजते हुए सुनाई दिए। अयोध्या में पहले ही कुछ होटल थे। उनके अलावा, 20 और पंचतारा होटल निर्माणाधीन हैं। एक अनुमान है कि प्रभु राम की प्राण-प्रतिष्ठा, यानी 22 जनवरी, के बाद औसतन 3 लाख श्रद्धालु और पर्यटक हररोज अयोध्या में आएंगे। हिसाब लगाएं कि यदि इतने श्रद्धालु और पर्यटक अयोध्या आएंगे, तो उस नगरी और आसपास के इलाकों की अर्थव्यवस्था कितनी होगी?

अयोध्या को भी, अर्थव्यवस्था के लिहाज से, रोम, मक्का-मदीना और तिरुपति मंदिर की जमात में रखा जा सकेगा। अयोध्या का वाकई कायाकल्प हो रहा है। आलेख के आरंभ में हमने प्रभु राम और भारत-लोकतंत्र के आपसी कल्पना का जिक्र किया था। भारत के संविधान में भी प्रभु राम और माता सीता का चित्र है। देश के प्रधान न्यायाधीश की सीट पर धर्म की व्याख्या है, लिहाजा राजनीति को प्रभु राम से अलग नहीं कर सकते। राजनीति लोकतंत्र का ही प्रारूप है, लेकिन शिवसेना (उद्धव गुट) के संजय राउत का कहना है कि अब भगवान राम को चुनाव प्रत्याशी बनाना ही शेष रह गया है। भाजपा वह भी कर सकती है। यह कुत्सित, नफरती और निंदनीय बयान है। राउत ने गोधरा से भी भयानक दंगों की आशंका किस आधार पर जताई है? हालांकि डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने फिर भी ठीक कहा है कि वह सिर्फ हिंदुओं के ही राम नहीं हैं, बल्कि पूरे विश्व के राम हैं।

राय

संपत्तियों का सही इस्तेमाल

इमारतों की किफायत में सुशासन की टोह लेती सुक्खू सरकार ने शिमला के छह कार्यालयों को टूटीकंडी कॉम्पलेक्स में शिफ्ट कर दिया। ये कार्यालय किराए के भवनों में चल रहे थे। पूरे प्रदेश में सरकारी कार्यालयों के नीचे दबी जमीन या निजी भूमि में बसे कार्यालयों की जमीर में कुछ तो किफायत हो। दरअसल हिमाचल में सरकारी इमारतों की अपनी होड़ बेपरवाह और लापरवाह है और इसलिए बजट की मुद्रा में अनावश्यक विस्तार ने अपना मूल्यांकन ही नहीं किया। एक नीति के तहत अगर तेजी से खुलते कार्यालय निजी निवेश की संस्तुति में परवान चढ़ते, तो भी सरकार पैसा बचाने के साथ-साथ रोजगार दे सकती थी। हिमाचल में सरकारी कार्यालयों ने अपनी हेकड़ी में खजाने का दुरुपयोग ही किया और यह भी इसलिए कि हर विभाग अब निर्माण की मशीनरी है। इससे सार्वजनिक भूमि का दुरुपयोग और अधिकारियों के निरंकुश इरादों से धन को व्यर्थ किया जाने लगा है। ऐसे में समूचे प्रदेश की संपत्तियों का डाटा बनाकर इनके सही इस्तेमाल, रखरखाव व विस्तार का सांचा बनाया जाए, तो अनावश्यक खर्च से बचा जा सकता है। इसके लिए पब्लिक एस्टेट डिवेलपमेंट अथारिटी का गठन करते हुए इसके तहत विभागीय संपत्तियों को एक ही एजेंसी के प्रबंधन में लाना चाहिए। सार्वजनिक एस्टेट विकास प्राधिकरण के अंतगर्त सरकारी कार्यालयों को स्थान तथा कर्मचारियों की आवासीय व्यवस्था का दारोमदार रहेगा, तो एक बड़ी धनराशि के तहत सार्वजनिक संपत्तियों का निर्माण, रखरखाव तथा भविष्य की योजनाओं का श्रीगणेश होगा, वरना हर विभाग अपने दफ्तरों की चमक और साहबों की कोठियों में लगभग हर वर्ष धन का अपव्यय कर रहा है।

इतना ही नहीं अब समय आ गया है जब सरकार को कुछ शहरों को कलस्टर के रूप में देखते हुए किसी मध्य स्थल पर कर्मचारी नगर बसाने चाहिएं ताकि नए कार्यालयों को उपयुक्त भवन तथा कर्मचारियों को आवास मिल सकें। ये कर्मचारी नगर सरकारी धन से नहीं, अपितु निजी निवेश से आगे बढ़ाए जा सकते हैं। उदाहरण के लिए भविष्य में सोलन-शिमला के बीच वाकनाघाट या धर्मशाला-पालमपुर के बीच चामुंडा के आसपास निजी निवेश से कर्मचारी नगर बसाए जाएं, तो ये सरकारी धन की बचत तथा नए रोजगार के साधन उत्पन्न करेंगे। ये कर्मचारी नगरों में भविष्य के दफ्तर तथा वर्तमान में कर्मचारियों की आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ शैक्षणिक, चिकित्सा संस्थानों के अलावा आधुनिक बाजारों के जरिए नए व्यापार व रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, दूसरी ओर सार्वजनिक धन की बचत भी होगी। कर्मचारियों को ग्रामीण स्तर तक आवासीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए युवा बेरोजगारों को एक योजना के साथ जोड़ा जा सकता है। सरकार की गारंटी के तहत बेरोजगारों को कर्मचारियों को आवास तथा विभागीय भवनों के निर्माण में प्रेरित करके उन्हें एक नियमित आमदनी दे कर भी प्रदेश बचत कर सकता है। भविष्य की रूपरेखा में हिमाचल का प्रशासनिक ढांचा भी बदलाव चाहता है। बहुत पहले से अगर मत्स्य विभाग का निदेशालय बिलासपुर से, पूर्व सैनिक कल्याण बोर्ड हमीरपुर या स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला से चल सकते हैं, तो इस दिशा में शिमला से कुछ अन्य कार्यालय भी स्थानांतरित किए जा सकते हैं। मेडिकल यूनिवर्सिटी मंडी के समीप स्वास्थ्य निदेशालय, स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के समीप शिक्षा निदेशालय तथा खेल एवं युवा सेवाएं, पालमपुर कृषि विश्वविद्यालय के समीप कृषि तथा सोलन बागबानी विश्वविद्यालय के करीब बागबानी विभाग के निदेशालय स्थापित कर दें, तो शिमला का दबाव कम हो जाएगा। इसी तरह जिला स्तर पर भी कई कार्यालय उपमंडल स्तर पर स्थानांतरित किए जा सकते हैं। शहरी परिसर में कृषि, बागबानी, पशु एवं मत्स्य तथा वन विभाग जैसे कार्यलयों को उपमंडल स्तर पर भेज कर जिला मुख्यालयों में शिमला के बोझ को स्थानांतरित किया जा सकता है।

शव संवाद-24

आजकल की खबरें कितनी कंजूस हो गई हैं। बात-बात पर लाचार, दरिद्र, लेकिन अवतार होने के लिए एक-दूसरी से लड़ रही हैं। पुरानी खबरों की मूंछें हुआ करती थीं, फिर भी वे लड़ती नहीं थीं। आज मूंछ कटी लड़ती हैं, ताकि दबदबा बना रहे। खबर को उड़ाने वाले अब पैदा हो गए हैं। दरअसल खबर में हवा भरनी पड़ती है और यह काम आजकल आसान हो गया है। शुद्ध हवा तो मिलती नहीं, लेकिन जैसी-तैसी और जहर से भरी प्रचुर मात्रा की हवा भरने वाले आसानी से मिल जाते हैं। कई मीडिया समूह तो इसी ताक में हैं कि कोई खबरों में हवा भर दे। इससे आम के आम और गुठली के दाम की स्थिति पैदा हो रही है। यानी जितनी हवा भरवाकर खबर को छोड़ोगे, उतने ही दाम भी मिलेंगे। मार्किट में सूखी मूली की तरह कई ऐसी भी खबरें मिल जाएंगी, जो देखने में कैसी भी हों, उठते-बैठते डकार मारती हैं। अपने बुद्धिजीवी को कई बार समझाया गया कि खबरों के बाजार से मोटी-ताजी और हवा से भरी हुई खबरें लाए ताकि मोहल्ले में शान बढ़े। वैसे भी आजकल समाज खास खबरों के बजाय मोटी-मोटी और हवा से भरपूर खबरें ही तो खोज रहा है। ये खबरें कभी बासी नहीं होतीं। एक बार तय कर लिया कि यही खबर चाहिए, तो यही रोज अपने आप आ जाएगी। खैर बुद्धिजीवी खबरों के ढेर से हर दिन सूखी मूली जैसी खबरें ढूंढ लाता और पूरे मोहल्ले को अपने डकारों से परेशान करता। हवा वाली खबरें काफी प्रचलन में हैं और इन्हें पढऩे की जरूरत भी नहीं। खबरों के बीच देश ने कुछ ऐसे चित्र बना लिए हैं कि पाठक देखते ही स्वीकार कर लेता है। उधर रूखी-सूखी खबर को ढूंढने के लिए हिम्मत चाहिए।

यह अछूत सी खबरें हैं, जो बुद्धिजीवी की तरह ही अस्वीकार्य हो चुकी हैं। खतरा यह है कि इन्हें उठाते ही शिकायतों के चूल्हे जल उठते हैं। खबरों को उठा-उठा कर बुद्धिजीवी अपने हाथ जला चुका है। वह खबरों के दरबार में अवांछित है। दरअसल आज की खबरों का न बुद्धि से ताल्लुक है और न ही ये पाठक को यह एहसास कराती हैं कि पढऩे, सुनने और चुनने के लिए दिमाग में कुछ होना जरूरी है। बुद्धिजीवी भी कई बार किंकत्र्तव्यविमूढ़ जैसी स्थिति में खबरों के सामने हारा हुआ पासा बन जाता है। उसे खबरें डराती हैं, लेकिन वह आमरण व्रत में है कि वह एक दिन ऐसी खबरों को हरा देगा। वह देश की खबरों के आगे यथार्थ में बौना, असहाय, अपात्र, कुपात्र और अचरित्र है। दरअसल संयमित-संतुलित व्यवहार में देश की खबर क्यों किसी बुद्धिजीवी को यह अधिकार दे कि वह गिना जाए। यही सोचता हुआ उस दिन बुद्धिजीवी नगर निगम के फटेहाल रास्ते से बुलंद कदमों पर जा रहा था। वह आंखों देखी पर विश्वास करते हुए आगे बढ़ रहा था, तभी उसने दो खबरों को झगड़ते हुए देखा। एक टीवी की खबर थी, तो दूसरी अखबार से थी। टीवी की खबर शृंगार रस में थी, अखबार की रद्दी कागज की तरह थी। टीवी की खबर मालदार थी। उसके आसपास बॉडीगार्ड थे। अखबार की खबर फटे हुए लिफाफे से बाहर निकलकर मुकाबला कर रही थी, लेकिन टीवी की खबर के 'पंच' से बेहाल हो गई। बुद्धिजीवी ने फटे हुए लिफाफे में हाथ डाला ताकि खबर को बचा लिया जाए, लेकिन तभी आसपास सरकारी विज्ञापनों की तोंद में फंसी खबरें शोर मचाने लगीं। मरती खबर कुछ कहने की कोशिश कर रही थी, लेकिन बुद्धिजीवी आसपास की खबरों और सरकारी विज्ञापनों के शोर में कुछ भी न सुन सका। उसे पहली बार अपने कानों पर शक हो गया। -क्रमशः

विचार

फिटनेस के संकल्प से शुरू करें यह वर्ष

एक दिन में 35 मिनट की तेज सैर एक आसान और प्रभावशाली शारीरिक क्रिया है। इसके अलावा दौड़, तैराकी और साइकिलिंग भी हमारे शरीर की शारीरिक क्रियाओं की आवश्यकताओं को पूरा करने में काफी असरदार सिद्ध हो सकती हैं। एक जज्बे के साथ हम अपने मुताबिक किसी भी शारीरिक क्रिया का चयन करके और उस चयन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाकर स्वयं को और अपने परिवार को काफी हद तक मधुमेह और मोटापा जनित रोगों से दूर रख सकते हैं। इसके अलावा हम अपने खाने की आदतों में सुधार करके भी जीवन को अधिक ऊर्जावान बना सकते हैं

नए वर्ष का आगमन एक नई शुरुआत का एहसास कराता है। यह एक ऐसा समय होता है जब हम बीते हुए वर्ष के अनुभवों के आधार पर अपनी अच्छाइयों को तराशने और बुराइयों को कम करने का प्रण लेकर आने वाले वर्ष के लिए अच्छी बुनियाद डाल सकते हैं। नए वर्ष पर किया गया संकल्प पूरे वर्ष एक लक्ष्य को लेकर कार्य करने की प्रेरणा देता है। ये संकल्प हर व्यक्ति के लिए अलग-अलग या व्यक्तिगत जरूरत के अनुसार हो सकते हैं, लेकिन एक ऐसा संकल्प जो सभी के लिए सबसे पहला और सबसे ज्यादा आवश्यक है, वो है अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता एवं स्वयं को फिट रखने के लिए कुछ समय निकालने का संकल्प। वर्ष 2024 की शुरुआत के साथ प्रत्येक हिमाचल प्रदेश के निवासी को ये संकल्प लेना बहुत ही आवश्यक हो चुका है। वर्ष 2023 में इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च द्वारा करवाए गए एक सर्वे में ये पाया गया है कि हिमाचल प्रदेश में डायबिटीज (मधुमेह) और प्री डायबिटीज की प्रचलन दर क्रमशः 13.5 प्रतिशत और 18.7 प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर ये आंकड़ा 11.4 और 15.3 प्रतिशत है। हिमाचल प्रदेश में ये आंकड़ा राष्ट्रीय स्तर के आंकड़े से ज्यादा होना एक गंभीर चिंता का विषय है। इतना ही नहीं, मोटापे की समस्या में भी हिमाचल प्रदेश के हालात चिंताजनक होते जा रहे हैं। सर्वे में ये पाया गया है कि हिमाचल में मोटापे की वजह से होने वाली बीमारियों में तेजी से वृद्धि होती जा रही है।

हिमाचल प्रदेश एक पहाड़ी राज्य है और ये माना जाता है कि पहाड़ी लोग मैदानी क्षेत्रों के लोगों की अपेक्षा अधिक मजबूत और स्वस्थ होते हैं। लेकिन इस मजबूती पर मधुमेह और मोटापा जनित रोगों ने आक्रमण करके इसको कमजोरी की दहलीज पर लाकर खड़ा कर दिया है। यहां के शुद्ध वातावरण का आनंद लेकर स्वास्थ्य लाभ लेने के लिए देश-विदेश से पर्यटक बड़ी संख्या में प्रतिवर्ष हिमाचल प्रदेश आते हैं। फिर ऐसा कौनसा कारण है कि हिमाचल के शुद्ध वातावरण में मेहमान तो ठीक होकर जा रहे हैं, लेकिन मेजबानों को मधुमेह और मोटापे की समस्या ने घेर रखा है। इसके पीछे का मुख्य कारण हमारी बदलती हुई जीवन शैली और खाने-पीने की गलत आदतें हैं। शारीरिक क्रियाओं की कमी इसमें सबसे बड़ा कारण है और इस वजह से बच्चे भी इस प्रकार की बीमारियों का शिकार होते जा रहे हैं। बात चाहे बच्चों की हो या युवाओं की या फिर बुजुर्गों की, सभी आयु वर्गों में लगातार बढ़ रही मोबाइल की आदत इस समस्या को अधिक विकराल बनाने में अपना अहम योगदान दे रही है। बच्चों को मोबाइल से कुछ समय के लिए भी दूर करना आजकल बहुत से माता-पिताओं के लिए एक बहुत मुश्किल कार्य बन बन चुका है। आजकल तो खेल के मैदानों में भी बच्चे और युवा मोबाइल चलाते हुए ही देखे जाते हैं। ये स्थिति गंभीर है और इसके कारण पैदा होने वाली शारीरिक और मानसिक समस्याओं से निपटने के लिए एक योजना बनाकर कार्य करने की आवश्यकता है। एक पूर्ण स्वस्थ व्यक्ति न केवल अपने उत्तरदायित्वों का पूर्ण रूप से निर्वहन करने में सक्षम होता है, बल्कि देश, प्रदेश और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन भी सफलतापूर्वक करता है।

जबकि बीमारियों से घिरा हुआ व्यक्ति दूसरों के ऊपर बोझ बन कर जीवन व्यतीत करने को मजबूर हो जाता है। इसलिए अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होकर नए वर्ष में फिटनेस के प्रति खुद को समर्पित करके एक नई शुरुआत करने की जरूरत है। नए वर्ष की शुरुआत के साथ अपने और अपने बच्चों की कुछ आदतों को बदलने के लिए प्रण लेने की जरूरत है। जीवन शैली में थोड़ा-सा परिवर्तन करके एक बड़े बदलाव की नींव डाली जा सकती है। कुदरत के साथ खुद को ढालने की कोशिश की जानी चाहिए और सुबह जल्दी उठकर योग और सैर करने की आदत को अपने जीवन का हिस्सा बनाकर हम अपने शरीर को बीमारियों से दूर रख सकते हैं। ज्यादा से ज्यादा शारीरिक क्रियाएं हमें अच्छी तरह से स्वस्थ रखने में सबसे ज्यादा योगदान देती हैं। इसलिए नए वर्ष पर एक ऐसा कैलेंडर तैयार करने की भी जरूरत है जो हमारी प्रतिदिन की शारीरिक क्रियाओं से हमें अवगत करवाता हो। शारीरिक क्रियाओं के परिणामस्वरूप निकलने वाला पसीना इस बात का प्रमाण होता है कि हमारी शारीरिक क्रिया से हमारे शरीर को भी कुछ लाभ पहुंचे हैं। एक दिन में 35 मिनट की तेज सैर एक आसान और प्रभावशाली शारीरिक क्रिया है।

इसके अलावा दौड़, तैराकी और साइकिलिंग भी हमारे शरीर की शारीरिक क्रियाओं की आवश्यकताओं को पूरा करने में काफी असरदार सिद्ध हो सकती हैं। एक जज्बे के साथ हम अपने मुताबिक किसी भी शारीरिक क्रिया का चयन करके और उस चयन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाकर स्वयं को और अपने परिवार को काफी हद तक मधुमेह और मोटापा जनित रोगों से दूर रख सकते हैं। इसके अलावा हम अपने खाने की आदतों में सुधार करके भी अपने जीवन को और अधिक ऊर्जावान और उपयोगी बना सकते हैं। खाना आज एक विज्ञान बन चुका है, लेकिन इस विज्ञान से हमारी जनसंख्या का एक बहुत बड़ा भाग अभी भी अनभिज्ञ है। खाने के प्रति जागरूकता और एक संतुलित भोजन हमारे शरीर को सही मात्रा में ऊर्जा देने के साथ-साथ स्वस्थ भी रखता है। नए वर्ष की शुरुआत के साथ शारीरिक क्रियाओं के प्रति प्रतिबद्धता और संतुलित आहार के प्रति सजगता आने वाले खतरे से बचाने के लिए औजार के रूप में कार्य कर सकते हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रमुखों से की मुलाकात, कर्ज वसूली के तंत्र से हुई नाखुश

परिवहन विशेष न्यूज

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बैंक फंसे कर्जे यानी एनपीए (नान-परफार्मिंग एसेट्स) के घटते स्तर को लेकर प्रभावित नहीं कर सके। संसद में भी कई बार सरकार से पुराने एनपीए या बट्टे खाते में डाले गये एनपीए की वसूली को लेकर सवालों का जवाब देना पड़ता है। वित्त मंत्रालय की मंशा है कि एनपीए को घटाने को लेकर जो सफलता मिली है वह इसकी वसूली में भी प्रदर्शित हो।

नई दिल्ली। शनिवार को सरकारी बैकों के प्रमुखों के साथ बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बैंक फंसे कर्जे यानी एनपीए (नान-परफार्मिंग एसेट्स) के घटते स्तर को लेकर प्रभावित नहीं कर सके।

वजह यह रही कि वित्त मंत्री पुराने फंसे कर्जे (खास तौर पर वैसे एनपीए जिन्हें बट्टे खाते में डाल दिया गया हो) की वसूली की मौजूदा रिकार्ड को 'संतोषप्रद से काफी दूर' करार दिया है। बैंकों से कहा गया है कि एनपीए का स्तर पिछले एक दशक के सबसे न्यूनतम स्तर पर आ गया है यह काफी सतोष की बात है लेकिन पुराने कर्जे की वसूली को लेकर स्थिति बहुत नहीं सुधरी है।

कर्ज वसूली की नई व्यवस्था

दरअसल, हाल के दिनों में संसद में भी कई बार सरकार से पुराने एनपीए या बट्टे खाते में डाले गये एनपीए की वसूली को लेकर सवालों का जवाब देना पड़ता है। वित्त मंत्रालय की मंशा है कि एनपीए को घटाने को लेकर जो सफलता मिली है वह इसकी वसूली में भी प्रदर्शित हो।

बैंकिंग उद्योग के सूत्रों के मुताबिक एनपीए व्यवस्था में सिर्फ एक वसूली प्रक्रिया ऐसी है जिसको लेकर अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है। यह देखा जा रहा है कि जब कर्ज वसूली की नई व्यवस्था दिवालिया कानून (आइबीसी) ने सही तरीके से काम करना शुरू किया है तो ऋण वसूली प्राधिकरण (डीआरटी) का प्रदर्शन एकदम से नीचे आ गया है। जबकि डीआरटी में बैंकों का सबसे ज्यादा एनपीए फंसा हुआ है।

इतनी राशि फंसी हुई

आरबीआइ का डाटा बताता है कि वर्ष 2022-23 में कर्ज वसूली की चारों प्रमुख व्यवस्थाओं (लोक अदालत, डीआरटी, प्रतिभूति कानून और आइबीसी) में कुल 8,36,898 करोड़ रुपये की राशि फंसी हुई है जिसमें से डीआरटी के पास ही 4,02,636 करोड़ रुपये का कर्ज फंसा हुआ है। दूसरी तरफ यह साल दर साल डीआरटी व्यवस्था कमजोर ही होती जा रही है। वर्ष 2021-22 में इसके जरिए लंबित एनपीए मामलों में बैंकों ने अपने दावे के मुकाबले 17.5 फीसद राशि वसूलने में सफलता हासिल की थी जो वर्ष 2022-23 में घट कर सिर्फ 9.2 फीसद रह गया है।

> **आरबीआइ का डाटा बताता है कि वर्ष 2022-23 में कर्ज वसूली की चारों प्रमुख व्यवस्थाओं (लोक अदालत, डीआरटी, प्रतिभूति कानून और आइबीसी) में कुल 8,36,898 करोड़ रुपये की राशि फंसी हुई है जिसमें से डीआरटी के पास ही 4,02,636 करोड़ रुपये का कर्ज फंसा हुआ है।**

कर्ज वसूली का स्तर 40.3 फीसद बढ़ा

इस दौरान आइबीसी के जरिए कर्ज वसूली का स्तर 23.9 फीसद से बढ़ कर 40.3 फीसद हो गया है लेकिन बैंकों को जितनी राशि एनपीए में फंसी हुई है उसका सिर्फ 18 फीसद हिस्सा ही आइबीसी के हवाले किया गया है। यानी आइबीसी का प्रदर्शन बहुत बेहतर हो जाए तब भी बकाये पुराने कर्जे की वसूली की प्रक्रिया पर बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ने वाला है।

आरबीआइ के आंकड़े बता रहे हैं कि बैंकों के कुल फंसे कर्जे के देश में 1.44,94 करोड़ मामले हैं जिनमें डीआरटी और लोक अदालतों के पास ही 1.43,07 करोड़ मामले हैं। दूसरी तरफ आइबीसी के पास सिर्फ 1261 मामले दर्ज हैं। ऐसे में यह बात सामने आई है कि वर्ष 2021-22 में उक्त चारों व्यवस्थाओं से फंसे कर्जे की 17.6 फीसद राशि वसूलने में सफलता मिली थी लेकिन वर्ष 2022-23 में यह घट कर सिर्फ 15 फीसद रह गया है। वित्त मंत्री के असंतुष्ट होने का कारण भी यहीं है।

जेट फ्यूल का प्राइस हुआ कम, सस्ती हो जाएगी फ्लाइट की टिकट?

ATF Latest Price हर महीने की पहली तारीख को देश में सिलेंडर और एचीएफ की कीमत रिवाइज की जाती है। आज देशभर में एटीएफ की कीमतों में 4 फीसदी की कटौती हुई है वहीं कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में 1.50 रुपये कम हुए हैं। एटीएफ की कीमतों में कटौती के बाद देशभर में उम्मीद की जा रही है कि फ्लाइट की टिकट भी सस्ती हो सकती है।

नई दिल्ली। जेट ईंधन और सिलेंडर की कीमतों को महीने की पहली तारीख पर अपडेट किया जाता है। आज यानी 1 जनवरी 2024 को भी इनकी कीमतों में रिवाइज किया गया। आपको बता दें कि लगातार तीन महीने से एटीएफ की कीमतों में कटौती की गई है। तेल कंपनियों ने आज भी एटीएफ की कीमतों में 4 प्रतिशत की। वहीं, अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क के अनुरूप वाणिज्यिक रसोई गैस (एलपीजी) की दरों में 1.50 रुपये प्रति 19 किलोग्राम सिलेंडर में कम किये गए हैं। हालांकि, घरेलू सिलेंडर की कीमतों में किसी भी प्रकार की कोई कटौती नहीं की गई है। देश में इनकी दाम स्थिर है। आपको बता दें कि घरेलू एलपीजी की कीमत 903 रुपये प्रति 14.2 किलोग्राम सिलेंडर है।

अब इतना है एटीएफ की कीमत

एटीएफ की कीमतों में कटौती के बाद राष्ट्रीय राजधानी में विमानन टरबाइन ईंधन की कीमत 4,162.5 रुपये या 3.9 प्रतिशत की कटौती के साथ 101,993.17 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई। जेट ईंधन की कीमतों में यह लगातार तीसरी बार कटौती है। नवंबर में एटीएफ की कीमत में लगभग 6 प्रतिशत (6,854.25 रुपये प्रति किलोलीटर) और दिसंबर में 5,189.25 रुपये या 4.6 प्रतिशत की कटौती की गई थी।

जेट ईंधन की कीमत एयरलाइन की परिचालन लागत का 40 प्रतिशत होता है। कीमत में हुई कटौती वित्तीय रूप से तनावग्रस्त एयरलाइनों पर बोझ कम कर देगी।

एलपीजी सिलेंडर की कीमत

तेल कंपनियों ने होटल और रेस्तरां जैसे जगह पर इस्तेमाल होने वाले कमर्शियल एलपीजी की कीमत में भी 1.50 रुपये की कमी की। अब दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1,755.50 रुपये और मुंबई में 1,708.50 रुपये है। राज्य के स्वामित्व वाली इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) में संशोधन करती है।

पेट्रोल-डीजल की कीमत

पेट्रोल और डीजल की कीमतें लगातार 21वें महीने रिकॉर्ड स्थिर बनी रहीं। राष्ट्रीय राजधानी में पेट्रोल की कीमत 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 89.62 रुपये प्रति लीटर है। तेल कंपनियां रोज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में संशोधन करती है। वर्ष 2022 से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

वर्ष 2024 के पहले दिन ही नरमी के साथ खुली भारतीय करेंसी, डॉलर के मुकाबले इतने पैसे गिरा रुपया

Dollar vs Rupee Price Today आज से वर्ष 2024 शुरू हो गया है। 2024 के पहले कारोबारी दिन में डॉलर के मुकाबले रुपया 3 पैसे की गिरावट के साथ 83 .19 पर खुला। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज के अनुसार डॉलर के मुकाबले रुपया आज 83 .19 पर खुला और इसके बाद यह 3 पैसे गिरकर 83 .19 पर पहुंच गया। भारतीय शेयर बाजार में गिरावट ने रुपया को प्रभावित किया है।

नई दिल्ली। सोमवार से एक नया कारोबारी हफ्ता शुरू हो गया है, इसी के साथ वर्ष 2024 का आगाज भी हो गया है। 1 जनवरी 2024 को डॉलर के मुकाबले रुपया 3 पैसे की गिरावट के साथ खुला है। यह गिरावट शेयर बाजार में आई नरमी और डॉलर इंडेक्स की मजबूती की वजह से आई है। फॉरेक्स ट्रेडर के अनुसार रुपया एक सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है क्योंकि कच्चे तेल की कीमतों में नरमी ने भारतीय करेंसी को समर्थन दिया है। विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती से नकार दिया गया है।

डॉलर और रुपये के बीच कारोबार

इंटरबैंक विदेशी मुद्रा में, रुपया डॉलर के मुकाबले 83.18 पर खुला, फिर गिरकर 83.19 पर आ गया, जो पिछले बंद के मुकाबले 3 पैसे की गिरावट दर्शाता है।

कल शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.15 की शुरुआती ऊंचाई को भी छू गया। बीते कारोबारी हफ्ते में डॉलर के मुकाबले रुपया 4 पैसे मजबूत होकर 83.16 पर बंद हुआ।

फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी में ट्रेजरी के प्रमुख और कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार भंसाली ने कहा

भारतीय करेंसी 83.10 से 83.35 के दायरे में स्थिर रहने की संभावना है क्योंकि निचले स्तर पर अमेरिकी डॉलर की खरीदारी इन-फ्लो से मेल खाती है और रुपये को एक दायरे में स्थिर रखती है। जैसे ही एफएक्स रिजर्व 620 बिलियन अमरीकी डालर के निशान को छूता है, आरबीआई की उपस्थिति बढ़ जाती है। बाजार के दोनों पक्ष रुपये को स्थिर रखते हैं।

डॉलर इंडेक्स का क्या है हाल?

दुनिया की बड़ी करेंसी के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की मजबूती बताने वाला डॉलर इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 101.33 पर बना हुआ है। कच्चे तेल में आज फिर तेजी देखी जा रही है और यह 0.14 प्रतिशत गिरकर 77.04 डॉलर प्रति बैरल पर है।

भारतीय शेयर बाजार मे कैसा रहा कारोबार?

सोमवार को शेयर मार्केट में लाल निशान पर खुला है। आज भी बाजार अपने उच्चतम स्तर पर कारोबार कर रहा है। बीएसई सेंसेक्स 74.33 अंक या 0.10 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72,165.93 अंक पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी 4.85 अंक या 0.02 प्रतिशत गिरकर 21,726.55 अंक पर आ गया। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक ने 1,459.12 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

बदल गए यूपीआई के ये नियम, जानिए कैसे पड़ेगा इसका आपकी जेब पर असर

देश में यूपीआई की संख्या में तेजी देखने को मिली है। आज से जहां एक ओर नया साल यानी 2024 का आगाज हुआ है वहीं यूपीआई के एक नियम में बदलाव देखने को मिला है। यह नियम कई यूपीआई धारक को प्रभावित करेगा। आइए इस आर्टिकल में जानते हैं कि यूपीआई से रिलेटिड कौन-से नियम में बदलाव हुए हैं?

नई दिल्ली। देश में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (UPI) के माध्यम से ऑनलाइन पेमेंट की संख्या में तेजी देखने को मिली है। वर्ष 2016 में यूपीआई लॉन्च हुआ है। यूपीआई के आने के बाद में ऑनलाइन पेमेंट की संख्या में तेजी देखने को मिली है।

यूपीआई का विस्तार करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने कई घोषणा की है। आज से यानी 1 जनवरी 2024 से यूपीआई में कई बदलाव किये गए हैं। इन बदलावों की सूचना आरबीआई ने पिछले महीने में दिसंबर में दे दी थी।

यूपीआई अकाउंट होगा फ्रीज

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) ने Google Pay, Paytm, PhonePe आदि जैसे पेमेंट ऐप्स और उन अकाउंट को निष्क्रिय करने के लिए कहा जो अकाउंट या आईडी एक साल से अधिक समय से इस्तेमाल नहीं हो रही है। इसका मतलब है कि अगर आप भी एक साल या उससे ज्यादा समय से यूपीआई ऐप्स का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं तो आपका अकाउंट भी निष्क्रिय हो सकता है।

एक दिन में कर सकते हैं इतना भुगतान

एनपीसी के अनुसार अब यूपीआई के जरिये दैनिक भुगतान की सीमा बढ़ा दी गई है। अब एक दिन में धारक 1 लाख रुपये तक का भुगतान कर सकते हैं। इसके अलावा 8 दिसंबर 2023 में आरबीआई ने अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए यूपीआई पेमेंट की सीमा को बढ़ा दिया है, अब इसकी भुगतान सीमा 5 लाख रुपये है।

पीपीआई पर देना होगा चार्ज

अब यूपीआई पेमेंट करते समय अगर कोई धारक प्रीपेड भुगतान उपकरणों (PPI) का इस्तेमाल करता है तो उन्हें 2,000 रुपये से ज्यादा भुगतान पर 1.1 फीसदी का इंटरचेंज शुल्क देना होगा। इसके अलावा यूपीआई के जरिये हो रहे धोखाधड़ी को रोकने के लिए अब कोई धारक किसी नए यूजर को 2,000 रुपये से ज्यादा का भुगतान करते हैं तो उनके पास 4 घंटे की समय-सीमा होगी। ऐसे में वह 4 घंटे के बीतर आसानी से उसकी शिकायत कर सकते हैं।

जल्द शुरू होगा यूपीआई एटीएम

देश में यूपीआई को विस्तार करने के लिए आरबीआई ने जापान की कंपनी हिताची (Hitachi) से एक साझेदारी की है। इस साझेदारी के अनुसार जल्द ही भारत में यूपीआई एटीएम (UPI ATM) शुरू होगा। इस एटीएम के जरिये बैंक से कैश विड्रॉ करने का प्रोसेस काफी आसान हो जाएगा। कैश निकालने के लिए क्यूआर स्कैन करना होगा।

साल के पहले दिन महंगा हुआ सोना तो नरम हुई चांदी, चेक करें आपके शहर में

परिवहन विशेष न्यूज

2024 साल शुरू हो गया है। वर्ष 2024 के पहले कारोबारी दिन में सोने और चांदी की कीमतों में बदलाव देखा गया है। आज सोने की कीमतों में तेजी देखने को मिली तो वहीं चांदी की कीमतों में नरमी देखने को मिली है। अगर आप गोल्ड या सिल्वर खरीदने का सोच रहे हैं तो आपको अपने शहर के लेटेस्ट रेट जरूर चेक करना चाहिए।

नई दिल्ली। वर्ष 2024 के पहले कारोबारी दिन में सोने और चांदी की कीमत अपडेट हो गई है। यह कीमत मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर गोल्ड और सिल्वर की ट्रेडिंग कीमतों के आधार पर तय किया जाता है। पिछले साल यानी वर्ष 2023 के आखिरी दिन (29 दिसंबर 2023) को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। वहीं वर्ष 2024 के पहले कारोबारी दिन सोने की कीमतों में तेजी और चांदी के रेट में गिरावट देखने को मिली है।

अगर आप भी गोल्ड या सिल्वर की ज्वेलरी खरीदने का सोच रहे हैं तो आपको एक बार अपने शहर के लेटेस्ट रेट को जरूर चेक करना चाहिए।

महंगा हुआ गोल्ड

वायदा कारोबार में सोमवार को सोने की कीमत 136 रुपये बढ़कर 63,339 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर, फरवरी डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 136 रुपये या 0.22 प्रतिशत बढ़कर 63,339 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जिसमें 15,152 लॉट का कारोबार हुआ।

वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में सोना वायदा 0.56 प्रतिशत गिरकर 2,071.80 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर आ गया।

सिल्वर की कीमतों में आई नरमी

सोमवार को चांदी की कीमतें 85 रुपये गिरकर 74,345 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गईं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में, मार्च डिलीवरी के लिए चांदी अनुबंध 85 रुपये या 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,345 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया, जिसमें 14,762 लॉट का कारोबार हुआ।

वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में चांदी 1.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24.09 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

क्या है आपके शहर में लेटेस्ट रेट

दिल्ली में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,970 रुपये है।

मुंबई में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,870 रुपये है।

कोलकाता में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,870 रुपये है।

चैन्नई में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 64,470 रुपये है।

बेंगलुरु में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,870 रुपये है।

हैदराबाद में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,870 रुपये है।

चंडीगढ़ में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,970 रुपये है।

जयपुर में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 63,970 रुपये है।

पटना में 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम 63,920 रुपये है।

लखनऊ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का रेट 63,970 रुपये है।

उमड़ा जनसैलाब... ठहरी दिल्ली, सड़कों से लेकर धार्मिक स्थलों तक दिखा लोगों का हुजूम

सड़क पर जाम को देखते हुए लोगों ने ऑटो का सहारा लिया। ऑटो चालकों ने यात्रियों से मनमाना किराया वसूला। वहीं मॉल से लेकर मंदिर, गुरुद्वारा और अन्य धार्मिक स्थलों पर लोगों का हुजूम उमड़ा।

नई दिल्ली। नए साल का जश्न दिल्लीवालों के सिर चढ़कर बोला। इंडिया गेट, चिड़ियाघर, कनॉट प्लेस व चांदनी चौक समेत अन्य बजारों में भारी भीड़ रही। वहीं, धार्मिक स्थलों पर भी लोगों का हुजूम उमड़ा। इसका असर परिवहन व्यवस्था पर दिखा। दिल्ली मेट्रो व बसों में भारी भीड़ रही। हालात बेकाबू होता देख दिल्ली पुलिस को कई सड़कों को मजबूरन बंद करना पड़ा। शाम होते-होते सड़कों पर बढ़े यातायात के दबाव के चलते जाम लगा, जिससे वाहन रेंगते नजर आए। काफी तक लोगों को जाम से जूझना पड़ा।

नए साल के जश्न में शामिल होने से लिए लाखों की संख्या में लोग घर से निकले। इंडिया गेट, कर्तव्य पथ, लाल किला, जामा मस्जिद, चिड़ियाघर, पुराना किला, नया संसद भवन, जंतर मंतर, कनॉट प्लेस, करोल बाग, सरोजनी नगर, खान मार्केट, एनएसपी, राजौरी गार्डन सहित अन्य जगहों पर भारी भीड़ नजर आई। कनॉट प्लेस से लेकर इंडिया गेट तक मेले जैसा माहौल नजर आया। बड़ों के साथ छोटे बच्चे भी हाथों में गुब्बारे लिए दिखे। कड़कड़ाती ठंड के बावजूद भी लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ।

कर्तव्य पथ पर लोगों ने जमकर सेल्फी ली। कनॉट प्लेस में भीड़ बढ़ने के साथ जाम लग गया। बस स्टैंड पर खड़े होने की जगह नहीं थी। यातायात पुलिस को इंडिया गेट से कनॉट प्लेस जाने वाले विभिन्न रास्तों पर बैरिकेड लगाकर बंद करना पड़ा। कनॉट प्लेस, इंडिया गेट सहित सभी ऐतिहासिक स्थलों पर लोगों की भरी संख्या देखने को मिली। अधिक भीड़ होने के कारण सैकड़ों यात्री बस का इंतजार करते दिखे। हरीनगर जा रहीं सुमन ने बताया कि वह बीते आधे घंटे से बस का इंतजार कर रही हैं, लेकिन अभी तक बस नहीं आई है।

ऑटो चालकों ने वसूला मनमाना किराया

सड़क पर जाम को देखते हुए लोगों ने ऑटो का सहारा लिया। ऑटो चालकों ने यात्रियों से मनमाना किराया वसूला। जंतर-मंतर पर बस का इंतजार कर रहीं प्रीति ने बताया कि भीड़ बहुत है, इसलिए ऑटो से घर जाने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि ऑटो चालक अधिक किराया वसूल रहे हैं, जहां 80 रुपये लगते हैं, वहां 150 रुपये मांग रहे हैं।

हरियाणा के इन तीन शहरों से सीधे अयोध्या तक चलेंगी बसें, 22 जनवरी के बाद शुरू होगी सेवा

धार्मिक नगरी अयोध्या अब हरियाणा से सीधे जुड़ जाएगी। हरियाणा के तीन शहरों से सरकार ने बस सेवा शुरू करने का एलान किया है। सरकार का कहना है कि बाद में अन्य शहरों से भी यह सेवा शुरू की जाएगी।

चंडीगढ़। हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम के बाद हरियाणा के फरीदाबाद, गुरुग्राम व सोनीपत से अयोध्या के लिए सीधी बस सेवा शुरू की जाएगी। यही नहीं अन्य जिलों से मांग आने पर वहां से भी भविष्य में अयोध्या के लिए सीधी बस सेवा शुरू होगी।

मूलचंद शर्मा सोमवार को फरीदाबाद के बल्लभगढ़ में एक करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली 32 गलियों के शिलान्यास करने के बाद आमजन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भगवान श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग अयोध्या दर्शन के लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि लोगों की आस्था को देखते हुए यह कदम उठाया गया है।

गौर हो कि इससे पहले हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल घोषणा कर चुके हैं कि 22 जनवरी के बाद हरियाणा सरकार बुजुर्गों को अयोध्या की यात्रा मुफ्त में करवाएगी।

घने कोहरे से थमे ट्रेनों के पहिए, दिल्ली से कई घंटों की देरी से चल रही 21 ट्रेनें

दिल्ली-एनसीआर सहित देशभर में वातावरण में धुंध और कोहरे की चादर छाई हुई है। घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम हो गई है। इससे ट्रेनों के पहिए भी थम गए हैं। लंबी दूरी की ट्रेनें कई घंटों की देरी से चल रही हैं। भारतीय रेलवे के मुताबिक आज राजधानी दिल्ली से करीब 21 ट्रेनें घंटों की देरी से चल रही हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर सहित देशभर में वातावरण में धुंध और कोहरे की चादर छाई हुई है। घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम हो गई है। इससे ट्रेनों के पहिए भी थम गए हैं। लंबी दूरी की ट्रेनें कई घंटों की देरी से चल रही हैं।

समाचार एजेंसी एएनआई ने भारतीय रेलवे के हवाले से बताया कि आज राजधानी दिल्ली से करीब 21 ट्रेनें घंटों की देरी से चल रही हैं।

S.No.	Train no. & Name	Late by hrs.
1	20171 Rani Kamlapati Bhopal- Nizamuddin Exp	04.00
2.	22811 Bhubneshwar- New Delhi Rajdhani	03.00
3.	22691Banglore- Nizamuddin Rajdhani	01.00
4.	12453 Ranchi- New Delhi Rajdhani	01.15
5.	12213 Yashwantpur- Delhi Sarai Rohilla Duronto	02.30
6.	12285 Secunderabad- Nizamudin Duronto	03.00
7.	12381 Howrah- New Dehi Poorva Exp	03.00
8	12553 Saharsa- New Dehi Vaishali Exp	02.00
9	12427 Rewa – Anand Vihar Exp	05.00
10	12417 Prayagraj- New Delhi exp	03.00
11.	12367 Bhagalpur- Anand Vihar Exp	03.00
12	12393 Rajendernagar- New Delhi	04.00
13	12723 Hyderabad- New Delhi	04.00
14	12155 Bhopal- Nizamudin exp	02.00
15	11078 Jammutawi- Pune Jhelum Exp	00.45
16	13257 Danapur- Anand Vihar	02.00
17	14034 Katra- Delhi Express	01.00
18	15658 Kamakhya- Delhi Exp	01.00
19	12559 Banaras- New Delhi Exp	02.00
20.	12189 Jabalpur- Nizamudin	01.45
21	12137 Mumbai- Ferozpur	04.00

पिछले कई दिन से तापमान में गिरावट के साथ सर्दी बढ़ रही है। रविवार को सुबह से ही कोहरा छा गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन लगातार तापमान गिरने के साथ सर्दी ज्यादा महसूस हो सकती है। सोमवार को तापमान स्थित रहेगा। बीते तीन दिन से लगातार सुबह शाम कोहरा बना हुआ है। दिन में धूप नहीं निकलने की वजह से सर्दी से राहत नहीं मिल पा रही है।

शनिवार को सुबह शाम कोहरे की वजह से दृश्यता भी काफी कम रही थी। दिन में भी धूप नहीं निकली। रविवार को भी सुबह से ही कोहरा रहा था, लेकिन दृश्यता पहले दो दिन के मुकाबले ठीक रही। दृश्यता पांच से 15 मीटर तक रही। न्यूनतम तापमान छह डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

हवा अधिकतम छह किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चली। वातावरण में आर्द्रता 89 प्रतिशत दर्ज की गई। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिन सर्दी ज्यादा महसूस हो सकती है।

हल्के बादल छाए रहेंगे। हालांकि तापमान में एक-दो डिग्री सेल्सियस गिरावट आ सकती है। सोमवार को न्यूनतम तापमान छह डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस रहेगा। हवा अधिकतम सात किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलेगी। वातावरण में आर्द्रता 84 प्रतिशत रह सकती है।

दिल्ली में शराबियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, नशे में गाड़ी चलाने पर 495 लोगों पर केस; 347 लाइसेंस जब्त

परिवहन विशेष न्यूज

नए साल की पूर्व संध्या पर दिल्ली में उपद्रव करने वालों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। 495 लोगों के खिलाफ शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में दर्ज किया गया। इसके अलावा 132 लोगों पर सड़क पर गलत साइड पर वाहन चलाने पर केस दर्ज किया गया है। ट्रैफिक में बाधा डालने या पार्किंग नियमों का उल्लंघन करने के लिए कुल 613 वाहनों को हटा दिया गया।

नई दिल्ली। नए साल की पूर्व संध्या पर दिल्ली में उपद्रव करने वालों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा सुनिश्त करने के उद्देश्य से देर रात ऑपरेशन में सैकड़ों लोगों को पकड़ा है। पुलिस की कार्रवाई में 495 लोगों के खिलाफ शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में दर्ज किया गया है।

347 लाइसेंस जब्त किए गए

इसके अलावा 132 लोगों पर सड़क पर गलत साइड पर वाहन चलाने पर केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने अभियान लापरवाही से गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। यातायात नियमों को अनदेखी करके और नियमों को बार-बार उल्लंघन करने वालों के 347 लाइसेंस जब्त किए गए।

ई-रिक्शा चालकों के खिलाफ भी कार्रवाई

अवैध टिंटेड ग्लास वाले 117 वाहनों पर भी कार्रवाई की गई। अनुचित पार्किंग के 3452 मामलों में जुर्माना लगाया गया। ट्रैफिक में बाधा डालने या पार्किंग नियमों का उल्लंघन करने के लिए कुल 613 वाहनों को हटा दिया गया। पुलिस ने इन वाहनों के जिम्मेदार और सुरक्षित उपयोग को सुनिश्चित करते हुए विभिन्न उल्लंघनों के लिए 566 ई-रिक्शा चालकों के खिलाफ भी कार्रवाई की।

ड्राइवर्स के लिए बने कानून में संशोधन करने व रोकने के लिए अमित शाह को लिखा पत्र

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट ने ड्राइवर्स के लिए बने कानून को संशोधन करने और जब तक इसपर पूनर्विचार करने और इस कानून को रोकने के लिए एक पत्र श्री अमित शाह जी, ग्रह मंत्री भारत सरकार को लिखा.

ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट का कहना है की केंद्र और राज्य सरकारे दोनों ट्रांसपोर्टर्स और ड्राइवर्स के ऊपर दमनकारी नीतियाँ अपना रही है. पेहले सरकार ने गाड़ियों की लाइफ को 10 से 15 साल कर दिया, अब प्रदूषण के नाम पर डीजल पेट्रोल टैक्सी बसों और प्राइवेट कारो को बंद किया जा रहा है. इस की वजह से ड्राइवर्स बेरोजगार हो रहें है और ट्रांसपोर्टर्स दिवालिया होने की कगार पर है.

पेनिक बटन के नाम पर दिल्ली में सरेआम अरबो रूपए का घोटाला हो रहा है. स्पीड गवर्नर के नाम पर भी बड़ा भ्रस्टाचार हो रहा है ड्राइवर्स का शोषण किया जा रहा है.

ओला उबेर प्राइवेट कम्पनी पूरे भारत में ड्राइवर्स का शोषण कर रही है और सरकार इन सब मुद्दों पर प्राइवेट कम्पनियो का साथ दें रही है या खामोश बैठी है.

संजय सम्राट का कहना है की पूरे भारत के ड्राइवर्स पर काला क़ानून ग्रह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा बनाया गया है. जिस पर ड्राइवर्स पर दुर्घटना के समय भाग जाने पर 10 लाख का जुर्माना और 7 साल की सजा का प्रवधान बनाया गया है जिस से ड्राइवर्स में भय का माहौल बन गया है और ड्राइवर्स गाड़ियों को रोड पर खड़ी करके चाबी गाडी मालिकों को दें रहें है.

एसोसिएशन के अध्यक्ष ने कुछ सुझाव भी ग्रह मंत्री को दिए.

1- दुर्घटना के समय सभी ड्राइवर्स की जान माल की सुरक्षा सरकार द्वारा दी जानी चाहिए.

2- अगर किसी भी स्थिति में रोड दुर्घटना के समय या ड्यूटी के समय या रोड पर ड्राइवर घायल हो जाए या उसको शारीरिक तौर पर कुछ भी इमरजेंसी हो जाए तो तुरन्त उसका इलाजसरकारी खर्चे में अच्छे प्राइवेट हॉस्पिटल में किया जाए.

3-रोड दुर्घटना के समय अगर किसी भी स्थिति में ड्राइवर की जान चली जाए तो उस ड्राइवर के परिवार को 1 करोड़ का मुआवजा तुरन्त मिले केंद्र सरकार द्वारा.

4- रोड दुर्घटना के समय अगर उस ड्राइवर की गाडी को पब्लिक नुक्सान करें तो सरकार उसका मुआवाजा भी खुद दें, ना की इन्शुरन्स कम्पनी पर ये मुआवाजा लेने के लिए कहा जाए.

5- अगर कहीं ड्राइवर द्वारा रोड दुर्घटना हो जाए तो उसके लिए एक कॉल सेंटर का नंबर हो, जिस से ड्राइवर तुरन्त दुर्घटना की जानकारी सरकार या प्रशासन को दें सके

जिस से दुर्घटना वाली जगह पर पुलिस और एम्बुलेंस तुरन्त आये. जिस से घायल व्यक्ति की जान बच सके और ड्राइवर को भी इस बात के लिए गुनहगार साबित ना किया जाए.

6-रोड दुर्घटना के बाद ड्राइवर और उसके परिवार की जान माल की सुरक्षा का जिम्मा डिसट्रिक्ट मजिस्ट्रेट और डिप्टी कमिसनर पुलिस को दिया जाए.

7- इसके साथ साथ जगह कैमरे भी लगाए जाए.

8- दारू पीकर या कोई भी नशा करके गाडी चलाने वाले को सख्त सजा हो.

9-अगर ड्राइवर को लगता हैं की दुर्घटना के बाद उसकी जान को खतरा हैं तो पुलिस और एम्बुलेंस को खबर करने के बाद ड्राइवर को किसी सुरक्षित स्थान पर जाने का अधिकार हो.

10- हर 25 किलोमीटर बाद नेशनल हाईवे और एक्सप्रेस वे पर पुलिस वेन और एम्बुलेंस होना जरूरी हो.

11- इन सारे नेशनल और एक्सप्रेस वे पर ड्राइवर के लिए

सोने के लिए साफ सुथरे गेस्ट हाउस भी हो जहाँ वो नींद आने पर सो सके.

संजय सम्राट ने ग्रह मंत्री जी से पत्र के माध्यम से मांग की जो ये क़ानून बना रहें है, इस पर दोबारा से विचार करके और ट्रांसपोर्टर्स और ड्राइवर्स यूनियन के विचार और सुझाव को लेकर इसमें कुछ संशोधन किये जाए.

और तुरन्त इस कानून को इम्प्लीमेंट करने से रोका जाए.

ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन ने ग्रह मंत्री से मिलने का समय भी माँगा है

ड्राइवरों की हड़ताल: यूपी में 4652 बसों के चक्के जाम, पूरी तरह चरमराई परिवहन व्यवस्था, चौराहों पर जमा हुए लोग

रोडवेज अफसरों ने बताया कि गत 31 दिसंबर को अमौसी ऑयल डिपों के टैंकर चालकों ने नए कानून के विरोध में तीन दिवसीय हड़ताल की घोषणा की। इसकी चिट्ठी सोमवार सुबह वायरल हो गई।

लखनऊ। नए साल के पहले दिन राजधानी की यातायात व्यवस्था ठप हो गई। हिट एंड रन कानून के विरोध में ड्राइवरों ने हड़ताल कर दी। पूरे प्रदेश में 4652 बसों के चक्के जाम रहे। महज 852 बसों का संचालन हुआ। इससे पूरे प्रदेश की परिवहन व्यवस्था गड़बड़ा गई। हर चौराहे पर लोगों की भीड़ जमा हुई। निजी वाहनों की इसमें चांदी हो गई। उन्होंने मनचाहा किराया लेकर सवारियां ढोईं।

यूपी की राजधानी लखनऊ में 900 बसों के पहिए पांच घंटे तक थमे रहे। रोडवेज के साथ अनुबंधित बसों से सफर करने वाले 62 हजार यात्री परेशान हुए। वहीं आटो व टेम्पो का संचालन भी ड्राइवरों ने बाधित किया, जिसके 10 हजार यात्री प्रभावित हुए। बसों की हड़ताल से शहर में यातायात जाम हो गया। ट्रांसपोर्टनगर और अमौसी में कामर्शियल वाहन खड़े होने से जरूरी सामानों की सप्लाई चेन टूट गई।

उदयगंज निवासी अमित सिंह अपनी फैमिली के साथ सीतापुर जाने के लिए कैसरबाग बस अड्डे पहुंचे। उनकी पत्नी व बेटियां साथ थीं। उन्होंने सीतापुर की बस में सवार होने का प्रयास किया, पर ड्राइवरों ने उन्हें बस में सवार नहीं होने दिया। ऐसे हजारों पैसेंजर सोमवार को कैसरबाग, चारबाग, आलमबाग, अवध बस अड्डे पहुंचे, पर उन्हें सफर की सुविधा नहीं मिल सकी।

बस ड्राइवरों की हड़ताल के चलते बसों के चक्के जाम कर दिए गए। बसें जहां की तहां खड़ी रहीं। सुबह आठ बजे से लेकर दोपहर एक बजे तक, पांच घंटे संचालन पूरी तरह से ठप रहा। हालांकि, रोडवेज अफसर दिनभर बस संचालन का प्रयास करते रहे, पर उन्हें दोपहर बाद सफलता मिली। लखनऊ परिक्षेत्र में रोडवेज व अनुबंधित बसों की संख्या 992 है। ड्राइवरों ने हड़ताल कर 900 बसों को सड़कों पर निकलने से रोक दिया। जबकि अफसरों ने मशक्कत कर 92 बसों को चलाने में सफलता हासिल की। हालांकि, इस दौरान अफसरों से ड्राइवरों की कहासुनी भी हुई। बसों से प्रतिदिन 72 हजार पैसेंजर यात्रा करते हैं, जिसमें 62 हजार यात्री सफर से वंचित हो गए।

अफवाहों पर ध्यान ना दें कर्मचारी

1 जनवरी 2024 को परिवहन निगम की मात्र 852 बसों का संचालन हुआ जबकि 4652 बसों की आउटशैडिंग नहीं हुई। दुर्घटनाओं में चालकों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही के संबंध में प्रस्तावित प्रावधान जो अभी अधिसूचित भी नहीं हुए हैं, के विषय में जो आशंकाएं व्याप्त हैं वे तथ्य परक नहीं है। किसी भी कानून के लागू होने से पूर्व तथा सही एवं प्रमाणिक जानकारी के अभाव में पूर्वाग्रह से धारणा बना लेना उचित नहीं है।

अतः, अफवाहों व आशंकाओं के आधार पर उद्वेलित ना हों। कर्मचारियों के हितों को पुष्ट करने व निगम की प्रगति के लिए प्रबंधन सदैव कृत संकल्पित रहा है। वर्ष 2024 में भी निगम तथा कर्मचारी समुदाय के व्यापक हितों हेतु कार्यवाही की जाएगी।

सभी कर्मचारियों से अपील की जाती है कि किसी के बहकावे में ना आएं तथा परिवहन निगम की बेहतरी हेतु बसों का संचालन करें, जिससे कि यात्रियों को भी कोई असुविधा न हो। अंततोगत्वा इसी में कर्मचारियों का हित अंतर्निहित है।

- मासूम अली सरवर, प्रबंध निदेशक, परिवहन निगम उत्तर-प्रदेश

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023